राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 61 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,01 सितम्बर 2021 , मूल्य रु. 1.50

असम में बाढ़ की स्थिति पर पीएम मोदी ने सीएम सरमा से की चर्चा, दिया हर संभव मदद का भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से राज्य में बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और केन्द्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। असम के कई हिस्से बाढ़ से प्रभावित हैं। असम में बाढ़ संबंधी घटनाओं में दो लोगों की जान जा चली गई जबकि 17 जिलों में प्राकृतिक आपदा से 3.63 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से बात की और राज्य में बाढ़ की स्थिति के बारे में जाना। स्थिति से निपटने के लिए केन्द्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। मैं प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले भी लोगों की सुरक्षा और कुशलता की कामना करता हूं।

राज्य के बारपेटा, विश्वनाथ, कछार, चिरांग, दरांग, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप, पश्चिम कार्बी आंगलोंग, लखीमपुर, माजुली और मोरीगांव प्रभावित जिलों में शामिल हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने भी प्रधानमंत्री से बात करने की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने आज फोन पर बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी हासिल की और आपदा से निपटने के लिए असम को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक बुलेटिन के अनुसार, लखीमपुर में सर्वाधिक 1.3 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, माजुली और दरांग जिलों में बाढ़ का सबसे अधिक कहर देखने में आया है। सरमा ने कहा बाढ़ ने लोगों की आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। संकट के इस समय में हमारे साथ खड़े रहने के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभारी हूं। असम में 950 गांव में पानी भर गया है और 30,333.36 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है।

केरल कांग्रेस में रार पर घिरे राहुल गांधी के करीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में आतंरिक कलह के बाद अब केरल में भी कांग्रेस में रार शुरू हो गई है। पार्टी की स्टेट यूनिट में सचिव के पद से हटाए गए पीएस प्रशांत ने अब महासचिव केसी वेणुगोपाल पर ठीकरा फोड़ा है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि पार्टी की केरल यूनिट में जो भी कलह है, उसकी मुख्य वजह केसी वेणुगोपाल ही हैं। उन्होंने केसी वेणुगोपाल पर आरोप लगाते हुए सोमवार को राहुल गांधी को खत लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था कि केरल समेत कई राज्यों में कांग्रेस की हार की वजह केसी वेणुगोपाल ही हैं। मीडिया से बात करते हुए पीएस प्रशांत ने कहा कि पलक्कड़ जिले की कांग्रेस यूनिट के अध्यक्ष रहे एवी गोपीनाथ ने भी केसी वेणुगोपाल की वजह से ही पार्टी छोड़ी थी। दरअसल वेणुगोपाल जिले स्तर की राजनीति में भी दखल दे रहे थे और उसके चलते ही उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस से निष्कासित नेता ने कहा कि केरल में संगठन में पैदा हुई समस्याओं की मुख्य वजह केसी वेणुगोपाल ही हैं। उनकी वजह से ही पलक्कड़ जिले के प्रेसिडेंट एवी गोपीनाथ ने भी पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में ऐसे किसी भी व्यक्ति को कोई पद नहीं मिलता है, जिसकी व्यक्तिगत तौर पर वेणुगोपाल से निष्ठा न हो। पीएस प्रशांत ने दावा किया कि राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस को केसी वेणुगोपाल के चलते समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वेणुगोपाल में संगठन की क्षमता नहीं है और उनके चलते ही समस्याएं पैदा हो रही हैं। प्रशांत ने कहा, 'गोवा, छत्तीसगढ़, पंजाब या फिर कोई भी राज्य हो, पार्टी को केसी वेणुगोपाल की स्किल कमजोर होने की वजह से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पंजाब में नए बने प्रदेश अध्यक्ष सीएम के खिलाफ काम कर रहे हैं। वेणुगोपाल का काम सिर्फ यही नहीं है कि जब राहुल गांधी केरल आएं तो वह उनकी कार में सवार रहें। उनका काम पार्टी को मजबूत करना है। इसीलिए मैंने राहुल गांधी को खत लिखा था।' अपने लेटर में प्रशांत ने आरोप लगाया था कि केसी वेणुगोपाल बीजेपी के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं। पार्टी से निकाले जाने को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने 30 सालों तक कांग्रेस के लिए काम किया है। कभी भी पार्टी के खिलाफ कोई बयान जारी नहीं किया। सोमवार को केरल कांग्रेस के चीफ के. सुधाकरण ने बताया था कि प्रशांत को गलत आरोप लगाए जाने पर पार्टी से बाहर किया जा रहा है।

खबर एक नजर

सऊदी अरब में एयरपोर्ट पर ड्रोन अटैक , 8 लोग हुए जख्मी; प्लेन को पहुंचा नुकसान

दुबई, एजेंसी। सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिम में आभा एयरपोर्ट पर ड्रोन से हमला किया गया है। इस हमले में 8 लोग घायल हुए है जबकि एक यात्री प्लेन के नुकसान पहुंचा है। यमन में शांति युद्ध के बीच सऊदी अरब पर यह ताजा हमला है। ड्रोन से हुए इस हमले की अभी तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। इस एयरपोर्ट को पिछले 24 घंटे में दूसरी बार निशाना बनाया गया है। इससे पहले हुए हमले में कोई हताहत नहीं हुआ था। दि एसोसिएट प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक यमन में ईरान समर्थित शिया विद्रोहियों से लड़ने वाले सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने हमले के बारे में विस्तार से नहीं बताया साथ में घायलों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी। यह कहने से परे कि उसके बलों ने विस्फोटक ड्रोन को ह्यअवरोधितह्व किया था। 2015 से, सऊदी के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन से जूझ रहे यमन के हौथी विद्रोहियों ने सऊदी अरब के भीतर सैन्य प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण तेल बुनियादी ढांचे के साथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को निशाना बनाया है।

राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को 64 .36 करोड़ से अधिक कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराई गई : केन्द्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोविड-19 रोधी टीकों की अब तक 64.36 करोड़ से अधिक खुराक प्रदान की जा चुकी हैं। इसके अलावा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को 14,94,040 खुराक की आपूर्ति की जाएगी। मंत्रालय ने कहा 5,42,30,546 खुराकें अभी भी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास उपलब्ध हैं। केंद्र सरकार पूरे देश में कोविड-19 टीकाकरण की गति को तेज करने और इसके दायरे का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने कहा कि अधिक टीकों की उपलब्धता और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की टीकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पहले से कदम उठाकर टीकाकरण अभियान को तेज किया गया है, ताकि वे बेहतर योजना बना सकें और टीका आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित कर सकें। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मुफ्त में कोविड-19 टीके उपलब्ध करा रही है।

अफगान में यूएस के 20 साल के सैन्य अभियान का अंत

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान में 20 साल तक लंबे युद्ध के बाद अमेरिका ने अपनी आखिरी उड़ान भर ली है। अमेरिकी 31 अगस्त तक अपनी सारी सेना अफगानिस्तान से हटाने वाला था लेकिन तालिबान को दी डेडलाइन से पहले ही उसने देश में अपनी सैन्य उपस्थिति खत्म कर दी है। अमेरिका के आखिरी विमान सी-17 ने 30 अगस्त की दोपहर को काबुल के हामिद करजई एयरपोर्ट से उड़ान भरी जिसके साथ ही अफगानिस्तान अब अमेरिकी सेना मुक्त हो गया है। अमेरिका ने जाने से पहले घोषणा कर इस बात की जानकारी दी और कहा कि अपनी पूरी वापसी और सैन्य मिशन की समाप्ति की घोषणा करता है। यूएस सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल केनेथ मैकेंजी ने सोमवार दोपहर कहा, 'मैं यहां अफगानिस्तान से अपनी वापसी के पूरा होने और अमेरिकी नागरिकों, कमजोर अफगानों को निकालने के लिए सैन्य मिशन की समाप्ति की घोषणा करता हूं।' अमेरिका 'आखिरी मानवयुक्त विमान अब अफगानिस्तान से निकल रहा है। अफगानिस्तान से आखिरी विमान के उड़ जाने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि अफगानिस्तान में 20 साल से मौजूद उनकी सैन्य उपस्थिति अब खत्म हो गई है। उन्होंने अपने कमांडरों को धन्यवाद देते हुए कहा कि कमांडरों ने बिना किसी और अमेरिकी की जान गंवाए अफगानिस्तान से अपनी निकासी पूरी की। अमेरिका ने 14 अगस्त के बाद अफगानिस्तान से कुल 123,000 लोगों को निकाला है। इनमें अमेरिकी नागरिक, अमेरिकी सहयोगी और अमेरिकी सहयोगी रहे अफगान नागरिक शामिल थे। यह अमेरिका का अब तक का सबसे बड़ा एयरलिफ्ट मिशन था। बाइडेन ने कहा कि 31 अगस्त को को दोपहर वह अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति आगे न बढ़ाने के फैसले पर लोगों को संबोधित करेंगे। बता दें कि सैन्य उपस्थिति हटाने के साथ-साथ अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपनी राजनयिक उपस्थिति को भी खत्म कर दिया है और अपने दूतावास को कतर में शिफ्ट कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका अफगानिस्तान से निकलने वाले हर अमेरिकी की मदद करेगा। मंत्रालय ने कहा, अफगानिस्तान में अमेरिका का काम लगातार जारी है, हमारी एक योजना है. हम शांति बनाए रखने पर पूरा जोर देंगे. जैसा कि हमने पहले भी किया है। तालिबान को वैधता देने पर अमेरिका ने कहा कि वैधता और समर्थन कमाना पड़ता है। अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकेन ने कहा, 'हम जो भी कदम उठाएंगे, वह तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के कहने पर नहीं बल्कि अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरने के लिए किया जाएगा तालिबान अंतरराष्ट्रीय वैधता और समर्थन चाहता है। हमारा संदेश है कोई भी वैधता है और किसी भी समर्थन को कमाया जाता है।

नायडू ने वैज्ञानिकों से किसी भी महामारी से निपटने के लिए अनुसंधान में तेजी लाने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने आज कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में डीआरडीओ की एक प्रयोगशाला डिपास (डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज) के वैज्ञानिकों और अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों के योगदान की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने भविष्य में ऐसी किसी भी महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपने शोध में तेजी लाने की सलाह दी। उपराष्ट्रपति ने डिपास के लगभग 25 वैज्ञानिकों व तकनीशियनों को उप-राष्ट्रपति निवास में आमंत्रित किया था। उनके साथ डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी भी थे। उनके साथ बातचीत करते हुए नायडू ने कहा कि महामारी ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट पैदा कर दिया है और पूरे विश्व में जीवन व आजीविका को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस अवसर पर आगे बढ़ने और कोविड-19 के उपचार और प्रबंधन के लिए विभिन्न स्वदेशी उत्पादों को विकसित करने के लिए डिपास और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा कि सार्स-सीओवी-2 के नए रूपों (वेरिएंट) के सामने आने के मद्देनजर भविष्य के किसी भी खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए हमेशा सावधान रहना महत्वपूर्ण है। डॉ. जी सतीश रेड्डी ने उपराष्ट्रपति को कोविड-19 के उपचार व प्रबंधन के लिए स्वदेशी रूप से विकसित डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के विभिन्न उत्पादों और उपकरणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वैज्ञानिकों व तकनीशियनों को आमंत्रित करने और उनके साथ अपने विचार साझा करने के लिए उपराष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डिपास के निदेशक डॉ. राजीव वार्ष्णेय भी उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर में जल्द बनेगी सरकार , जनता के प्रति जवाबदेह होंगे सरकारी अधिकारी : फारुख

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में 2018 में हुए पंचायत चुनाव का बहिष्कार करने पर नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) प्रमुख फारुख अब्दुल्ला ने अफसोस प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी गलती थी। इस चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस को भी हिस्सा लेना चाहिए था। उन्होंने उम्मीद जताई कि जम्मू-कश्मीर में एक सरकार का गठन किया जाएगा, जिसके कार्यकाल में सरकारी अधिकारी, जनता के प्रति जवाबदेह होंगे।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लिए जाने के विरोध में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने सितम्बर 2018 में पंचायत चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था और 2019 में खंड विकास परिषद (बीडीसी) के चुनाव का भी बहिष्कार किया था। संसदीय राज संस्थानों (पीआरआई) को मजबूत करने के लिए आयोजित संसदीय सम्पर्क कार्यक्रम के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि जम्मू-कश्मीर में जल्द एक सरकार बनेगी, जिसमें अधिकारी, जनता के प्रति जवाबदेह होंगे। फारूक अब्दुल्ला के संबोधन के समय मंच पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद थे।

सिन्हा से पंचायत नेताओं को सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा देश के साथ खड़े राजनेता, आतंकवादियों के निशाने पर हैं और उनकी रक्षा करना देश का कर्तव्य है। सितम्बर 2018 में हुए स्थानीय चुनाव के बारे में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा मुझे पछतावा है कि मेरी पार्टी ने पंचायत चुनाव नहीं लड़ा। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अधिकारियों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा वे फोन नहीं उठाते जैसे उनके ऊपर कोई भूत मंडरा रहा हो।

जलियांवाला बाग के शहीदों का ऐसा अपमान वही कर सकता है जो शहादत का मतलब न जानता हो : राहुल

जलियांवाला बाग परिसर के पुनर्निर्माण पर राहुल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जलियांवाला बाग स्मारक स्थल का पुनर्निर्माण किए जाने के बाद इसकी भव्यता को लेकर सोशल मीडिया में उठ रहे सवालों का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि यह शहीदों का अपमान है और यह वही कर सकता है जो शहादत का मतलब नहीं जानता। उन्होंने ट्वीट किया जलियांवाला बाग के शहीदों का ऐसा अपमान वही कर सकता है जो शहादत का मतलब नहीं जानता। मैं एक शहीद का बेटा हूं। शहीदों का अपमान किसी कीमत पर सहन नहीं करूंगा। हम इस अभद्र क्रूरता के खिलाफ हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि जिन्होंने आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी, वे उन लोगों को नहीं समझ सकते, जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी है।

राहुल गांधी ने उस खबर का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें कहा गया है कि इस स्मारक स्थल की भव्यता को लेकर सोशल मीडिया में लोगों ने गुस्से का इजहार किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलियांवाला बाग के पुनर्निर्मित परिसर का उद्घाटन किया है। इस बाग का केंद्रीय स्थल माने जाने वाले ज्वाला स्मारक की मरम्मत करने के साथ-साथ, परिसर का पुनर्निर्माण किया गया है, वहां स्थित तालाब को एक लिली तालाब के रूप में फिर से विकसित किया गया है तथा लोगों को आने-जाने में सुविधा के लिए मार्गों को चौड़ा किया गया है।

इस परिसर में अनेक नई और आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिनमें लोगों की आवाजाही के लिए उपयुक्त संकेतकों से युक्त नव विकसित मार्ग, महत्वपूर्ण स्थानों को रोशन करना और अधिक वृक्षारोपण के साथ बेहतर भूदृश्य, चट्टान युक्त निर्माण कार्य तथा पूरे बगीचे में ऑडियो नोड्स लगाना शामिल हैं। इसके अलावा मोक्ष स्थल, अमर ज्योति और ध्वज मस्तूल को समाहित करने के लिए भी कार्य किया गया है।

भारतीय मजदूर संघ ने किया वर्कर्स इन्फॉर्मेशन एंड सपोर्ट सेन्टर की शुरूआत

» (एजेंसी)

नई दिल्ली। भारतीय मजदूर संघ ने आज ऐतिहासिक कदम उठाते हुए वर्कर्स इन्फॉर्मेशन एंड सपोर्ट सेन्टर की शुरूआत की। कांस्टीट्यूशनल क्लब में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय श्रम एवम रोजगार मंत्री भूपेंदर यादव, बी एम एस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या, राष्ट्रीय महामंत्री बिनय कुमार सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अनीश मिश्र, प्रदेष महामंत्री डॉ दीपेंदर चाहर और वर्चुअल माध्यम से जुड़े ई एल ओ की निदेशक मिस डागमर वाल्टर एवम अन्य कई अतिथियों की उपस्थिति में वर्कर्स इन्फॉर्मेशन एंड सपोर्ट सेन्टर के अलावा बी एम एस ने अपना पोर्टल एवम मोबाइल एप्प लॉन्च किया। इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री बिनय सिंहा ने कहा कि तकनीकी माध्यम से जुड़ कर ज्यादे बेहतर तरीके से मजदूरों की स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री भूपेंदर यादव ने इस अवसर पर बी एम एस को बधाई देते हुए सरकार द्वारा उठाए जा रहे श्रमिकों के सुविधाओं की जानकारी दी और संगठित एवम असंगठित क्षेत्रों में कार्यरात मजदूरों के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। 8स कार्यक्रम का संचालन दिल्ली प्रदेह के महामंत्री डॉ दीपेंदर चाहर नर की। दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष एवम वर्कर्स इन्फॉर्मेशन एंड सपोर्ट सेन्टर के दिल्ली के कोऑर्डिनेटर अनीश मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इस व्यवस्था से होने वाले सुविधाओं का उल्लेख किया।

पाकिस्तान ने 2 भारतीय नागरिक को किया रिहा 8 साल से कर रखा था कैद

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की एक जेल में करीब आठ साल से बंद दो भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान ने सोमवार को वाघा बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हवाले कर दिया। इन दोनों को 'गैरकानूनी तरीके'से सीमा पार करने के आरोप में पकड़ा गया था। 2013 में भारतीय मूल के शर्मा राजपूत और राम बहादुर कश्मीर में नियंत्रण रेखा पार कर पाकिस्तानी क्षेत्र में दाखिल हो गए थे। इसके बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद, जांच में पाया गया कि वे मानसिक रूप से अक्षम हैं और गलती से उन्होंने सीमा पार कर ली थी। अधिकारी ने कहा, 'उनकी तस्वीरें और अन्य सामान भारत के साथ साझा किया गया और भारत के उन्हें अपना नागरिक स्वीकार करने के बाद पाक सैनिकों ने सोमवार को उन्हें बीएसएफ के हवाले कर दिया।' वहीं, करीब एक साल पहले कथित 'जासूसी और गैरकानूनी तरीके' से सीमा पार करने के आरोप में पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए गए 19 भारतीय नागरिकों के खिलाफ मामला अब भी संघीय समीक्षा बोर्ड के समक्ष लंबित है। पुलिस और सैनिकों ने देश के सुरक्षा अधिनियम और गोपनीय सेवा अधिनियम के तहत 19 भारतीयों को देश के विभिन्न हिस्सों से गिरफ्तार किया था। ये सभी अलग-अलग जेलों में बंद हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें संघीय समीक्षा बोर्ड के समक्ष पेश किया गया, जिसमें सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश शामिल थे। संघीय आंतरिक मंत्रालय ने अपने आरोप प्रस्तुत किए और बोर्ड ने उनकी नजरबंदी तब तक के लिए बढ़ा दी, जब तक कि उनके मामलों पर निर्णय आंतरिक मंत्रालय की जांच रिपोर्ट के आधार पर नहीं किया जाता है कि उन्हें मुकदमे का सामना करना चाहिए या उन्हें छोड़ दिया जाना चाहिए।

खबर एक नजर

काबुल छोड़ने से पहले अमेरिका ने निष्क्रिय किए हाईटेक डिफेंस सिस्टम और विमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान में दो दशक तक चले अमेरिकी सैन्य अभियान का पटाक्षेप 31 अगस्त को हो गया। अमेरिका के कई हाईटेक हथियार छोड़े जाने की खबरों के बीच सैन्य अधिकारी ने जानकारी दी कि सैनिकों ने एयरपोर्ट पर मौजूद तमाम हवाई जहाज, हथियारों से लैस वाहन और रॉकेट डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया है। अधिकारी का कहना है कि अब कोई भी इनका 'इस्तेमाल' नहीं कर पाएगा। सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनकल कैनेथ मैकेंजी ने बताया कि हामिद करजई एयरपोर्ट पर मौजूद 73 विमानों को सेना से बाहर या बेकार कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने बीते दो हफ्तों से लोगों को निकालने की प्रक्रिया के अंतिम दौर में यह कार्रवाई की। मैकेंजी ने बताया, 'वे विमान दोबारा उड़ नहीं पाएंगे.. वे किसी के भी हाथों संचालित नहीं हो सकेंगे।' उन्होंने कहा कि पेंटागन अपने पीछे करीब 70 बख्तरबंद वाहन छोड़कर आया है। इनमें प्रत्येक की कीमत 1 मिलियन डॉलर तक हो सकती है। इन्हें और 27 हम्वीज को निष्क्रिय किया गया है। अमेरिकी सेना ने 14 अगस्त से ही काबुल एयरपोर्ट पर लोगों को निकालने के लिए ऑपरेशन शुरू किया था। इस दौरान अफगानिस्तान में काम कर रहे अमेरिकी नागरिकों समेत कई अफगानों को एयरलिफ्ट किया गया था। अधिकारी ने कहा, 'ये वाहन किसी की भी तरफ से दोबारा इस्तेमाल नहीं किए जा सकेंगे।' अमेरिका ने काउंटर रॉकेट, आर्टिलरी और मोर्टार (सी-रेम सिस्टम) को भी छोड़ दिया है। इनका इस्तेमाल एयरपोर्ट को रॉकेट से बचाने के लिए किया जाता था। सोमवार को इस्लामिक स्टेट की तरफ से दागे गए रॉकेट को रोकने में भी इन सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। मैकेंजी ने बताया, 'हमने आखिरी अमेरिकी विमान के उड़ान भरने से पहले आखिरी क्षण तक इन सिस्टम का उपयोग किया।'

मजार-ए-शरीफ में डब्ल्यूएचओ की चिकित्सा सामग्री भेजेगा पाक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि वह अफगानिस्तान के चौथे सबसे बड़े शहर मजार-ए-शरीफ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की चिकित्सकीय सामग्री की खेप भेजेगा। अफगानिस्तान में पाकिस्तान के राजदूत मंसूर अहमद खान ने ट्वीट कर बताया कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) का विमान विश्व स्वास्थ्य निकाय की चिकित्सा सामग्री की खेप को पहुंचाएगा। खान ने ट्वीट किया, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के समन्वय से अफगानिस्तान में आवश्यक सामानों की आपूर्ति के लिए उड़ान का प्रबंध किया गया है।

अमेरिकी सैनिकों के जाते ही तालिबान ने पंजशीर घाटी में नार्दर्न अलायंस की चौकी पर किया हमला

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में अमेरिकी सेनाओं की वापसी होते ही तालिबान की हिंसक कार्रवाइयों में तेजी आ गई है। तालिबानी आतंकियों ने अपने विरोधी नॉर्दन एलायंस के गढ़ पंजशीर की घाटी पर भीषण हमला किया है। प्रारंभिक खबरों में बताया गया है कि इस हमले में दोनों पक्षों के कई लोग मारे गए हैं। नार्दर्न अलायंस ने दावा किया कि है कि उसके लड़ाकों ने तालिबान का हमला विफल कर दिया है, जबकि तालिबान ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पंजशीर घाटी में तालिबान के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजाने वाले ताजिक नेता अहमद मसूद के करीबी सूत्रों ने बताया कि तालिबान आतंकियों ने मंगलवार शाम को पंजशीर घाटी में उनकी एक चौकी पर बड़ा हमला किया है। मसूद के करीबी ने बताया कि उनके लड़ाकुओं ने तालिबानी हमले को विफल कर दिया है। दोनों पक्षों के बीच छिटपुट जंग शुरू हो गई है। तालिबान ने अभी तक इस हमले के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। सूत्रों के अनुसार तालिबान का यह हमला जाबुल सिराज इलाके में हुआ है, जो परवान प्रांत का हिस्सा है। खबरों के मुताबिक इस हमले में कई लड़ाके मारे गए हैं और घायल हुए हैं। तालिबान ने पंजशीर घाटी को चारों ओर से घेर रखा है। सभी तरह की आपूर्तियां व इंटरनेट जैसी सुविधाओं को बंद कर दिया है, ताकि अहमद मसूद के समर्थक बाकी दुनिया से संपर्क न कर सकें। पूर्व उप राष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह भी पंजशीर की घाटी में ही डटे हुए हैं और यही से तालिबान के खिलाफ जंग का संचालन कर रहे हैं।

सैनिकों की वापसी कमजोर दिमाग का परिणाम : डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के इतिहास में कभी भी युद्ध से वापसी को इतनी बुरी तरह या अक्षमता से अंजाम तक नहीं ले जाया गया, जैसा जो बाइडेन के नेतृत्व में अमेरिका ने अफगानिस्तान से किया है। यह कहना है पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का। उनका यह बयान संयुक्त राज्य अमेरिका के काबुल से अपनी अंतिम सैन्य उड़ान भरने के बाद आया है। ट्रंप ने कहा, 'इतिहास में कभी भी युद्ध से वापसी को इतनी बुरी तरह या अक्षम तरीके से नहीं अंजाम तक पहुंचाया गया, जितना कि अफगानिस्तान से बाइडेन प्रशासन ने वापसी की है।' ट्रंप ने कहा कि तालिबान की अफगानिस्तान की सत्ता में वापसी के साथ अमेरिकी युद्ध का अंत हो गया, जिसे 9/11 के हमलों के कुछ हफ्तों बाद शुरू किया गया था। ट्रंप ने कहा, 'सभी सैन्य उपकरणों को तुरंत संयुक्त राज्य अमेरिका वापस लाना चाहिए, जो कि करीब 85 बिलियन अमरीकी डॉलर के हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर इसे वापस नहीं किया जाता है, तो हमें फिर से सैन्य बल के साथ अंदर जाना चाहिए और इसे प्राप्त करना चाहिए। कम से कम बमों को वहां से बाहर निकालना चाहिए। किसी ने कभी भी ऐसी मूर्खता के बारे में नहीं सोचा था।' ट्रंप ने इसे कमजोर दिमाग का परिणाम बताया। ट्रंप के अलावा संयुक्त राष्ट्र में पूर्व शीर्ष अमेरिकी राजनयिक निक्की हेली ने इसे 'शर्मनाक वापसी' बताया है। उन्होंने कहा, 'जो बाइडेन ने अमेरिकी नागरिकों और अफगान सहयोगियों को एक आतंकवादी सरकार के शासन के भरोसे छोड़ते हुए अफगानिस्तान से अपनी शर्मनाक वापसी पूरी की। अगर उन्हें कुछ भी होता है, तो बाइडेन इसके दोषी होंगे।' हेली ने कहा, 'रूस और चीन न केवल अफगानिस्तान में जो बाइडेन की वापसी का आनंद ले रहे हैं, बल्कि वे इस पल को हथियाने के लिएभी तैयार हैं। जो बाइडेन की विदेश नीति अमेरिका के लिए विनाशकारी हो सकती है।' अफगानिस्तान से वापसी पर रिपब्लिकन भाषण देते हुए, कांग्रेसी मार्क ग्रीन ने कहा कि यह एक अपमान है जिसके परिणामस्वरूप अब अमेरिकी जवानों का दुखद नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, 'हमारी प्रार्थना इन नायकों के परिवारों और प्रियजनों के साथ है। हमारे तथाकथित कमांडर इन चीफ अमेरिकियों, हमारे अफगान सहयोगियों और नाटो के सदस्यों को छोड़ रहे हैं जो केवल हमारी मदद के लिए अफगानिस्तान आए थे। हम नेतृत्व के संकट में हैं। राष्ट्रपति बाइडेन विफल रहे हैं।' उन्होंने कहा। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के सदस्य और यूनाइटेड स्टेट्स आर्मी के दिग्गज रिपब्लिकन कांग्रेसी ली जेल्डिन ने कहा कि अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपनी वापसी पूरी कर ली है। कई अमेरिकी अभी भी दुश्मन की रेखाओं के पीछे फंसे हुए हैं।

पाक सेना प्रमुख बाजवा ने देश के सांसदों को दिलाया भरोसा, बोले- मुल्क की सीमाएं सुरक्षित

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबानी राज कायम होने को लेकर पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा ने देश के सांसदों को भरोसा दिलाया कि देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और सेना अफगानिस्तान में बदलते घटनाक्रम के बीच किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। बाजवा ने रावलपिंडी स्थित सेना मुख्यालय में आंतरिक और बाह्य सुरक्षा (कश्मीर सहित) पर संसदीय समितियों को जानकारी देते हुए क्षेत्र के सतत विकास के लिए युद्ध से जर्जर अफगानिस्तान में शांति बहाली के महत्व को भी रेखांकित किया।

सेना की मीडिया शाखा ने एक बयान में जनरल बाजवा के हवाले से कहा, पश्चिमी जोन सीमा प्रबंधन के लिए समय रहते उठाए गए कदमों के कारण आज चुनौतियों के बावजूद पाकिस्तान की सीमाएं सुरक्षित हैं और हम किसी भी परिस्थिति से निपटने को तैयार हैं। बाजवा ने यह भी कहा कि कश्मीर मुद्दे का हल किया बिना शांति संभव नहीं है। उन्होंने कहा, विश्व को यह पता होना चाहिए कि कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के बिना, शांति और स्थिरता नहीं आ सकती।'

प्रतिनिधिमंडल में ससंदीय कश्मीर समिति, रक्षा मामलों पर सीनेट की स्थायी समिति और रक्षा मामलों पर नेशनल असेंबली की स्थायी समिति के सदस्य शामिल रहे जिन्हें सीमा की परिस्थितियों समेत सुरक्षा के हालात और शांति एवं स्थिरता के वास्ते सेना के प्रयासों से अवगत कराया गया।

फ्रांस में रेस्तरां और अन्य सेवाओं में कार्य करने के लिए स्वास्थ्य पास दिखाना अनिवार्य

पेरिस, एजेंसी। फ्रांसीसी सरकार की कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई की कोशिशों के तहत देश के करीब 20 लाख कर्मचारियों को रेस्तरां और अन्य सेवाओं में कार्य करने के लिए अपना स्वास्थ्य पास दिखाना अनिवार्य होगा। जनता के लिए पहले ही फ्रांसीसी रेस्तरां, पर्यटक स्थलों अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जाने के लिए स्वास्थ्य पास का प्रावधान है। सरकार के आदेश के मुताबिक, सोमवार से सभी कर्मचारियों को पास दिखाना होगा जिसमें टीकाकरण कराने का सबूत, नवीनतम कोविड-19 जांच रिपोर्ट,इसमें निगेटिव इंगित हो और कोरोना से उबरने का प्रमाण पत्र शामिल है। जो लोग और कारोबार इन नियमों का अनुपालन नहीं करने वाले हैं, उन पर जुमार्ना लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि फ्रांस में करीब 72 प्रतिशत वयस्कों को टीके की कम से कम एक खुराक लग चुकी है, जबकि 64 प्रतिशत का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। हालांकि, कुछ लोग टीकाकरण या स्वास्थ्य पास के खिलाफ हैं और गत जुलाई से ही साप्ताहिक आधार पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। फ्रांस यूरोप में कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित दूसरा देश है। यहां कोविड-19 से 1,14,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

जकार्ता में कोविड-19 के खतरे को देखते हुए सुरक्षा उपायों के साथ अपनी कक्षाओं में पहुंचे बच्चे।

यूएनएससी का बयान दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अफगानिस्तान से कितनी उम्मीदें: श्रृंगला

जेनेवा, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान की हुकूमत कायम होने को लेकर भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा है कि भारत की अध्यक्षता में अफगानिस्तान को लेकर पारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव ह्यस्पष्ट रूप सेह्ल यह बताता है कि अफगान क्षेत्र का उपयोग किसी भी राष्ट्र को धमकाने, हमला करने, आतंकवादियों को शरण देने या प्रशिक्षित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए, और यह 'भारत के लिए प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण' है। श्रृंगला ने कहा कि सुरक्षा परिषद का बयान अफगानिस्तान को यह बताता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उससे कितनी उम्मीदें हैं। श्रृंगला इस वक्त भारत की अध्यक्षता में होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठकों के सिलसिले में न्यूयॉर्क में हैं। भारत की अध्यक्षता 31 अगस्त को खत्म हो गई है। सोमवार को अफगानिस्तान को लेकर हुई सुरक्षा परिषद की बैठक के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'कहने की जरूरत

नहीं है कि प्रस्ताव को स्वीकार करना अफगानिस्तान के संबंध में सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपेक्षाओं को लेकर एक मजबूत संकेत है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे विशेष रूप से अफगानिस्तान को लेकर आज पारित हुए महत्वपूर्ण प्रस्ताव के दौरान भारत के सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष होने पर बहुत खुशी हुई, जिसने स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया है कि अफगानिस्तान के क्षेत्र का उपयोग किसी भी देश को धमकाने या हमला करने या आतंकवादियों को पनाह देने, प्रशिक्षण देने या आतंकवाद की योजना बनाने या वित्तपोषित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (संकल्प) 1267 द्वारा नामित आतंकवादी व्यक्तियों और संस्थाओं को रेखांकित किया गया है। यह भारत के लिए प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण है।' अमेरिका को दो दशक तक चले युद्ध के बाद 31 अगस्त तक अपने सैनिकों को पूरी तरह से अफगानिस्तान से वापस बुलाना था, लेकिन इससे दो सप्ताह पहले 15 अगस्त को ही तालिबान ने अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया। इसके चलते अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी को देश छोड़कर संयुक्त अरब अमीरात चले गए अफगानिस्तान सरकार के गिरने के बाद काबुल में अराजकता फैल गई। हजारों लोग देश छोड़ने की जीतोड़ कोशिश में लगे हुए हैं।

अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने सोमवार को अफगानिस्तान को लेकर सुरक्षा परिषद में यह प्रस्ताव पेश किया था। परिषद के 13 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया, जिसके बाद इसे पारित कर दिया गया। परिषद के स्थायी सदस्य रूस और चीन मतदान से दूर रहे। प्रस्ताव में कहा गया है कि अफगान क्षेत्र का उपयोग किसी भी देश को धमकाने, हमला करने, आतंकवादियों को शरण देने, प्रशिक्षित करने, आतंकवादी कृत्यों की योजना बनाने या वित्तपोषित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। प्रस्ताव में अफगानिस्तान में आतंकवाद का मुकाबला करने के महत्व को दोहराया गया है।इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (संकल्प) 1267 द्वारा नामित आतंकवादी व्यक्तियों व संस्थाओं और तालिबान की प्रासंगिक प्रतिबद्धताओं को रेखांकित किया गया है।

प्रस्ताव में तालिबान द्वारा 27 अगस्त को जारी किए गए बयान पर गौर किया गया, जिसमें संगठन ने इस बात को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी कि अफगानिस्तान के लोग विदेश यात्रा कर सकेंगे, वे जब चाहें अफगानिस्तान छोड़ सकते हैं और वे दोनों हवाई एवं सड़क मार्ग से किसी भी सीमा से अफगानिस्तान से बाहर जा सकते हैं, जिसमें काबुल हवाई अड्डे को फिर से खोलना तथा उसे सुरक्षित करना शामिल है, जहां से कोई भी उन्हें यात्रा करने से नहीं रोकेगा। श्रृंगला ने कहा कि प्रस्ताव मानवाधिकारों, विशेष रूप से अफगान महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के साथ-साथ समावेशी बातचीत और अफगानिस्तान को मानवीय सहायता को देते रहने के महत्व को भी मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि ये प्रस्ताव के कुछ प्रमुख पहलू हैं जिन पर भारत ने प्रकाश डाला है। इस महीने भारत की अध्यक्षता में, सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान को लेकर 3, 16 और 27 अगस्त को तीन प्रेस वक्तव्य जारी किए हैं।

डब्ल्यूएचओ अब कर रहा कोरोना वैक्सीन की तीसरी खुराक देने की वकालत

अति संवेदनशील लोगों को सुरक्षित रखने में कारगर

जिनेवा, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना की तीसरी लहर की आहट की आशंकाओं के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की यूरोप शाखा के प्रमुख ने वैक्सीन के तीसरे डोज देने की वकालत की है। उनका मानना है कि वैक्सीन की तीसरी खुराक को देकर हम अधिक खतरे वाले लोगों को संक्रमण से बचा सकते हैं। हाल में ही कई ऐसी रिपोर्ट्स आई हैं, जिसमें दावा किया गया है कि छह महीने में वैक्सीन का असर कम हो रहा है। इस कारण यूएई और इजरायल में इन दिनों तीसरी डोज लगाने का काम भी जारी है। डब्ल्यूएचओ की यूरोप शाखा के प्रमुख ने कहा है कि वह अमेरिकी सरकार के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ की इस बात से सहमत है कि कोविड-19 रोधी टीके की तीसरी खुराक अतिसंवेदनशील लोगों को संक्रमण से बचाने में सहायता कर सकती है। डॉ. हंस क्लुगे ने संक्रमण के अधिक प्रसार को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि डब्ल्यूएचओ यूरोप क्षेत्र में शामिल 53 में से 33 देशों में पिछले एक सप्ताह से ज्यादा समय में मामलों में 10 प्रतिशत या इससे अधिक की वृद्धि हुई है। क्लुगे ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी सरकार के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फाउची से बात की है और दोनों का मानना है कि टीके की तीसरी खुराक उस तरह की विलासिता नहीं है जो उस व्यक्ति से छीनी जा रही है जो टीके की पहली खुराक के लिए प्रतीक्षारत है। क्लुगे ने कहा कि यह सिर्फ अति संवेदनशील लोगों को सुरक्षित रखने के लिए है।

उन्होंने साथ में यह भी कहा कि वे समृद्ध देश जिनके पास अधिक मात्रा में टीके उपलब्ध हैं, उन्हें इन्हें उन देशों के साथ साझा करने चाहिए जहां टीकों की किल्लत है। उधर भारत में भी वैक्सीन का उत्पादन बढ़ने और आधी से अधिक आबादी को वैक्सीन की कम से कम एक खुराक लगने से अब इसके निर्यात की संभावना जताई जा रही है। दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य देशों में सामने आए कोराना को नए वेरियंट ने लोगों की चिंताएं बढ़ा दी है। आशंका है कि सी।1 ।2 वेरियंट पहले के सभी स्वरूपों से अधिक संक्रामक हो सकता है और कोरोना वैक्सीन से मिलने वाली सुरक्षा को भी बेअसर कर सकता है।

तालिबान बोला- अमेरिकी सैनिकों की वापसी अफगानियो की जीत

दुनिया के साथ चाहते हैं बेहतर संबंध

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में दो दशक तक चले अमेरिकी सैन्य अभियान का खात्मा हो गया और उसके सैनिकों की स्वदेश वापसी पूरी हो गई है। इसके साथ ही तालिबान की नई पारी भी शुरू हो गई है। इस बीच तालिबान ने अमेरिका और दुनिया के बाकी देशों के साथ अच्छे रिश्ते बनाने की इच्छा जाहिर की है। तालिबान के शीर्ष प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने मंगलवार को काबुल एयरपोर्ट के रनवे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मुजाहिद ने अफगानियों को आजादी की बधाई दी। मुजाहिद ने कहा, 'इस जीत के लिए अफगानिस्तान को बधाई... ये जीत हम सभी की जीत है। अफगानियों की जीत है।'

जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा, 'हम अमेरिका और बाकी दुनिया के साथ अच्छे रिश्ते चाहते हैं। हम सभी देशों के साथ अच्छे राजनयिक संबंधों का स्वागत करेंगे।' काबुल एयरपोर्ट से सोमवार की देर रात आखिरी अमेरकी सैनिक की वापसी के बाद तालिबान आतंकियों ने जमकर जश्न मनाया। कतर में तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि अब हमारा देश पूरी तरह से आजाद है और देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। सुहैल शाहीन ने सोमवार देर रात को ट्वीट करके कहा, 'आज रात 12 बजे (अफगानिस्तान के समयानुसार) आखिरी अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान से लौट गया। हमारे देश को पूरी आजादी मिल गई है। अल्लाह को धन्यवाद। सभी देशवासियों को दिली धन्यवाद।' इसी के साथ ही अब पंजशीर घाटी को छोड़कर पूरे अफगानिस्तान पर

तालिबान का पूरा नियंत्रण हो गया है।

82वीं एयरबोर्न डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल क्रिस डॉनह्यू काबुल छोड़ने वाले आखिरी अमेरिकी सैनिक हैं। कहा जा रहा है कि काबुल एयरपोर्ट पर मौजूद प्लेन पर इनके सवार होने के बाद अमेरिका की अफगानिस्तान से वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई थी। यूएस सेंट्रल कमांड की तरफ से जारी तस्वीर में कमांडर डॉनह्यू प्लेन में चढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। इस विमान में अफगानिस्तान में अमेरिका के राजदूत रॉस विल्सन भी मौजूद थे। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के कुछ ही समय बाद अफगानिस्तान में शुरू हुए अमेरिकी मिशन का अंत हो गया है।

तालिबानी जहां देशभर में जश्न मना रहे हैं, वहीं राजधानी काबुल की सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक तालिबान के लिए यह एक ऐतिहासिक जीत है। तालिबान ने हमेशा से ही अफगानिस्तान में विदेशी सेनाओं के खिलाफ अपनी लड़ाई के बारे में बयान दिया है। वे इसे अपनी संप्रभुता के खिलाफ बताते रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी सैनिकों के अफगानिस्तान से चले जाने के बाद अब देश के नए शासकों को कई सवालों का जवाब देना होगा।

गाजा पट्टी में तनाव खत्म करने के लिए बातचीत की प्रक्रिया शुरू करें फिलिस्तीन और इजराइल: भारत

जेनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की अध्यक्षता में फिलिस्तीन सहित पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया पर केंद्रित बैठक हुई। इस बैठक में विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने फिलिस्तीन को दी जा रही मदद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में श्रृंगला ने गाजा पट्टी में हाल के तनाव पर भी चिंता जताई।

हर्षवर्धन श्रृंगला ने सभी पक्षों से क्षेत्रीय तनाव को कम करने और बातचीत की प्रक्रिया शुरू करने की अपील की। हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि फिलिस्तीनियों को वर्क परमिट की संख्या बढ़ाने के इजरायल के निर्णय से दोनों अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। फिलीस्तीनी प्राधिकरण के कोविड-टीकाकरण प्रमाणपत्रों की मान्यता और गाजा पट्टी से वेस्ट बैंक तक मरीजों के आने-जाने की सुविधा सकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत उन सभी उपायों का स्वागत करता है, जो फिलिस्तीनी लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अधिक अवसर पैदा करते हैं।

भारतीय विदेश सचिव ने बताया कि फिलिस्तीन के साथ भारत का विकास सहयोग भी इसी उद्देश्य की ओर अग्रसर है। हमने स्कूलों के निर्माण, आईसीटी और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, एक प्रौद्योगिकी पार्क और एक राष्ट्रीय प्रिंटिंग प्रेस स्थापित करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन में कई अन्य त्वरित प्रभाव वाली सामुदायिक परियोजनाओं का समर्थन कर रहे हैं। गाजा पट्टी में बढ़ते हालिया तनाव पर चिंता जताते हुए भारत ने सोमवार को संघर्ष से जुड़े सभी पक्षों से ऐसे कृत्यों से दूर रहने का आह्वान किया जो क्षेत्र में तनाव को बढ़ा सकते हैं और सुरक्षा हालात को खराब कर सकते हैं।

श्रृंगला ने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जल्द उच्च स्तरीय वार्ता शुरू होने की भी आशा व्यक्त की, जोकि सभी अंतिम मुद्दों को हल करने के लिए सर्वोत्तम अवसर प्रदान करे और मुद्दे का दो-राष्ट्र समाधान प्राप्त कर सकें। अगस्त माह के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता करने वाले श्रृंगला ने कहा कि हम गाजा पट्टी में तनाव में हालिया वृद्धि से चिंतित हैं, जो एक बार फिर युद्धविराम की भंगुरता और तनाव को बढ़ाने वाले कारणों को दूर करने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। विदेश सचिव ने कहा कि भारत संघर्ष के सभी पक्षों से युद्धविराम का सम्मान करने और ऐसे कृत्यों से दूर रहने का आह्वान करता है, जो तनाव को बढ़ा सकते हैं और सुरक्षा स्थिति को कमजोर कर सकते हैं। श्रृंगला ने कहा कि इजराइल और फलस्तीन के बीच उच्च-स्तरीय वार्ता प्रत्यक्ष शांति वार्ता को बहाल करने के लिए बेहतर वातावरण प्रदान कर सकती है।

समर्थन के लिए तालिबान को अफगानियों के मूल अधिकारों का सम्मान करना होगा: ब्लिंकन

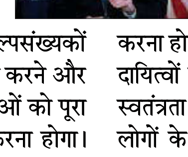

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान राज को समर्थन देने को लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगानियों के मूल अधिकारों का सम्मान करने की नसीहत दी है। ब्लिंकन ने कहा कि तालिबान को यात्रा की स्वतंत्रता, आतंकवाद का मुकाबला करने, महिलाओं और अल्पसंख्यकों सहित अफगान लोगों के मूल अधिकारों का सम्मान करने और एक समावेशी सरकार बनाने की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करके अंतरराष्ट्रीय वैधता और समर्थन अर्जित करना होगा। ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार कथनी के आधार पर नहीं बल्कि वह अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरने के लिए क्या करता है, इस आधार पर उसके साथ बातचीत करेगा। अमेरिका ने अफगानिस्तान से लोगों को निकालने का अपना मिशन मंगलवार तड़के पूरा कर लिया। इसके कुछ घंटे बाद ब्लिंकन ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, तालिबान अंतरराष्ट्रीय वैधता और समर्थन चाहता है। हमारा संदेश है, किसी भी वैधता और किसी भी समर्थन को उन्हें अर्जित करना होगा। उन्होंने कहा, तालिबान अपनी प्रतिबद्धताओं और दायित्वों को पूरा करके ऐसा कर सकता है; जिनमें यात्रा की स्वतंत्रता देना, महिलाओं और अल्पसंख्यकों सहित अफगान लोगों के मूल अधिकारों का सम्मान करना; आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धताओं को कायम रखना; अफगानिस्तान में रहने का विकल्प चुनने वालों के खिलाफ प्रतिशोध की हिंसा नहीं करना; और अफगान लोगों की जरूरतों व आकांक्षाओं को पूरा करने वाली समावेशी सरकार बनाना शामिल है।

नोएडा में ध्वस्त होंगी सुपरटेक की दो 40 मंजिला इमारतें फ्लैट मालिकों को ब्याज समेत मिलेगा पैसा : सुप्रीम कोर्ट

नोएडा, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक को एक बड़ा झटका देते हुए कंपनी द्वारा नोएडा में अपने एक हाउसिंग प्रोजेक्ट में बनाए गए दो 40-मंजिल टावरों को ध्वस्त करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपने फैसले में कहा कि इन टावरों का निर्माण नोएडा प्राधिकरण और सुपरटेक के अधिकारियों के बीच मिलीभगत का परिणाम था। जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि नोएडा सेक्टर-93 में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट में लगभग 1,000 फ्लैटों वाले ट्विन टावरों का निर्माण नियमों का उल्लंघन करके किया गया था और सुपरटेक द्वारा इन्हें अपनी लागत पर तीन महीने की अवधि के भीतर तोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक को इन ट्विन टावरों के सभी फ्लैट मालिकों को 12% ब्याज के साथ रकम वापस करने का भी आदेश दिया है। बेंच ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 2014 के फैसले को बरकरार रखा और सुपरटेक को एक एक्सपर्ट बॉडी की देखरेख में इन टावरों को गिराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कंपनी को दो महीने के भीतर सभी फ्लैट खरीददारों को रक वापस करने के लिए कहा है, इसके अलावा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को 2 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा है, जिसने अवैध निर्माण के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व किया। कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण को भी नगर निगम और अग्नि सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन में 40-मंजिला टावरों के अवैध निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए बिल्डर के साथ मिलीभगत करने के लिए कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित 2009 की मंजूरी योजना अवैध थी क्योंकि इसने न्यूनतम दूरी मानदंड का उल्लंघन किया था और यह कि योजना को फ्लैट खरीददारों की सहमति के बिना भी मंजूरी नहीं दी जा सकती थी। हाईकोर्ट के 2014 के फैसले के पक्ष और विपक्ष में घर खरीददारों की ओर से दायर कई याचिकाओं पर आज यह फैसला आया है। 11 अप्रैल 2014 को, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चार महीने के भीतर दोनों इमारतों को ध्वस्त करने और फ्लैट खरीददारों को पैसे वापस लौटाने का आदेश दिया था। रियल स्टेट फर्म के अपील में जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त को एक हरित क्षेत्र में रियल एस्टेट डेवलपर सुपरटेक के दो आवासीय टावरों को मंजूरी देने और फिर सूचना के अधिकार को अवरुद्ध करने में 'शक्ति के चौंकाने वाले इस्तेमाल' के लिए नोएडा प्राधिकरण को फटकार लगाते हुए भवन योजना के बारे में फ्लैट खरीददारों के अनुरोध वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। नोएडा प्राधिकरण ने बहुत देर से शिकायत करने के लिए घर खरीददारों को दोषी ठहराया था, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण से कहा था, 'जिस तरह से आप बहस कर रहे हैं, ऐसा लगता है कि आप प्रमोटर हैं। आप घर खरीदने वालों के खिलाफ नहीं लड़ सकते।एक सार्वजनिक प्राधिकरण के रूप में, आपको तटस्थ रुख अपनाना होगा। आपका आचरण आंख, कान और नाक से टपकते भ्रष्टाचार को दशार्ता है और आप घर खरीदने वालों में दोष खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

भूजल स्रोतों का मानचित्रण भूजल का उपयोग पेयजल के लिए मदद करेगा: जितेन्द्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी,राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि शुष्क क्षेत्रों में भूजल स्रोतों के मानचित्रण (मैपिंग) के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा नवीनतम अत्याधुनिक तकनीक को अपनाया जा रहा है और इससे प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी ह्लहर घर नल से जल योजनाह्व के लिए भूजल का पीने के पानी के रूप में उपयोग करने में मदद मिलती है। डॉ जितेंद्र सिंह ने आगे बताया कि सीएसआईआर ने राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के साथ, भूजल संसाधनों को बढ़ाने के लिए उत्तर पश्चिमी भारत के शुष्क क्षेत्रों में उच्च संकल्प जलभृत मानचित्रण (हाई रिजोल्यूशन ऐक्विफर मैपिंग) और प्रबंधन का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर-एनजीआरआई की हेली जनित भूभौतिकीय मानचित्रण तकनीक से जमीन के नीचे 500 मीटर की गहराई तक उप-सतह की हाई रेसोल्यूशन 3डी छवि प्रदान करती है। सीएसआईआर की एक बैठक जिसमे प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, प्रो. के.विजय राघवनडीजी, सीएसआईआर के महा निदेशक डॉ. शेखर मांडे और अन्य मुख्य वैज्ञानिकों ने भाग लिया, में डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने शुष्क क्षेत्रों में भूजल स्रोतों के मानचित्रण की जिम्मेदारी वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसन्धान संस्थान (सीएसआईआर-एनजीआरआई) को सौंपी है। जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री के 75वें स्वतंत्रता दिवस भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के मात्र दो साल के भीतर साढ़े चार करोड़ से अधिक परिवारों को नल से पानी मिलना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार आम आदमी के लिए ह्लजीवन की सुगमताह्व लाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रयोगों को बढ़ावा दे रही है। डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि उत्तर पश्चिमी भारत में शुष्क क्षेत्र राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और पंजाब राज्यों के कुछ हिस्सों में फैले हुए हैं, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 12% है और इस क्षेत्र में 8 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि 100 से 400 मिमी से कम की वार्षिक वर्षा के साथ यह क्षेत्र पूरे वर्ष पानी की भारी कमी का सामना करता है इस लिए इस क्षेत्र में भूजल संसाधनों को और बढ़ाने के लिए उच्च संकल्प जलभृत मानचित्रण (हाई रिजोल्यूशन ऐक्विफर मैपिंग) और प्रबंधन करने का प्रस्ताव है।

खबर एक नजर

भारी बारिश से दिल्ली और मुंबई में सड़के बनी तालाब , सड़कों पर भारी जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में मंगलवार को मौसम का मिजाज बदल गया है। दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश हो रही है। बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी है, लेकिन सड़कों पर गाड़ियों की रफ्तार धीमी पड़ी है, जिससे लंबा ट्रैफिक जाम लगा है। इस बीच मौसम विभाग ने दोपहर 2.30 बजे तक के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर जलभराव से ट्रैफिक की रफ्तार सुस्त पड़ी है। जाम की वजह से ऑफिस पहुंचने वाले लोगों को खास दिक्कत का सामना करना पड़ है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में 04 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, मुंबई में भी बारिश का सिलसिला जारी है।जिसके कारण गाड़ियों का सड़क पर चलना दूभर हो गया है। महाराष्ट्र में भारी बारिश मुसीबत लेकर आई है। मुंबई सहित राज्य के कई इलाकों भारी बरसात के चलते सड़कें, पानी से लबालब हो गई हैं। अहमदनगर की सड़कों पर घुटनों से ऊपर तक पानी जमा हो गया तो वहीं, पालघर जिले के नालासोपारा इलाके में भी जलभराव हुआ। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय दिल्ली, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में मंगलवार को बारिश होने की संभावना जाहिर की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक अगले 2 घंटों के दौरान दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी, मेरठ, मोदीनगर और आस-पास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूपी के गढ़मुक्तेश्वर, पिलाखुआ, हापुड़, सियाना, संभल, सिकंदराबाद, बुलंदशहर, जहांगीराबाद, अनूपशहर, शिकारपुर, खुर्जा, एटा, कासगंज, पहासू, देबाई, नरौरा, जट्टारी, खैर में बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। वहीं, राजस्थान के कोटपुतली, विराटनगर में भी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक विदर्भ के पश्चिमी हिस्सों में एक लो प्रेशर एरिया बन रहा है, जिसके कारण मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई इलाकों में अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं।मौसम पूवार्नुमान निजी एजेंसी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। अगले 2 से 3 दिनों के दौरान इसके पश्चिम उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की उम्मीद है।वहीं, मॉनसून की अक्षीय रेखा सामान्य स्थिति के दक्षिण में है। 3 सितंबर के बाद एक बार फिर मॉनसून ट्रफ उत्तर की ओर बढ़ना शुरू होगा।

पीएम ने नागौर सड़क दुर्घटना पर शोक जताया , साथ ही अनुग्रह राशि को स्वीकृति दी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के नागौर में सड़क दुर्घटना के कारण हुई लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक ट्वीट में कहा ह्रराजस्थान के नागौर में हुआ भीषण सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। जिन लोगों को इस दुर्घटना में जान गंवानी पड़ी है, मैं उन सभी के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं: एक ट्वीट में प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा; 'प्रधानमंत्री ने राजस्थान के नागौर में दुर्घटना में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों के लिए पीएमएनआरएफ से प्रत्येक को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि को मंजूरी दी है। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।'

नोएडा क्रिकेट स्टेडियम में श्याम क्रिकेट लीग के दूसरे ट्रायल का सफलता पूर्वक समापन हुआ

» (एजेंसी)

नई दिल्ली। खिलाड़ियों में जोश भरने के लिए खेल का एक उम्दा मंच देंना सबसे जरूरी है कुछ ऐसा ही काम श्याम क्रिकेट लीग करने जा रही है। जिसके लिए नोएडा में दूसरी बार लीग के ट्रायल्स का आयोजन किया गया। कैच मैच स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित श्याम क्रिकेट लीग 2021 सीजन 2 के लिए दूसरे ट्रायल का सफलता पूर्वक समापन हुआ, ट्रायल में भारत के कई शहरो से खिलाड़ियों ने इस लीग के ट्रायल्स में भाग लिया। ट्रायल नोएडा क्रिकेट स्टेडियम सेक्टर -21 में आयोजित किया गया तथा ट्रायल में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन हुआ।

कंपनी के डाइरेक्टर श्याम कौशल ने हम से बात करते हुए बताया श्याम क्रिकेट लीग के आगामी ट्रायल्स - लखनऊ , आगरा , कानपूर, अलीगढ तथा कुछ अन्य शहरो में आयोजित किये जाएंगे। उन्होंने बताया की इस लीग के सभी मैच नोएडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जायेंगे।

उन्होंने आगे बताया यदि आप भारत के किसी भी शहर में रह रहे है तो आप ऑनलाइन आवेदन कर सकते है, जिसके लिए आपको वेबसाइट www.shyamcricketleague.com पर जा कर ट्रायल के लिए रजिस्ट्रेशन करना होगा ट्रायल में विभिन्न केटेगरी रहेंगी जिसमे U-16, U -19, U-23, और 23 साल से ऊपर के सभी बच्चे भाग ले सकते है।

तो अगर आप मे हुनर है तो आप भी ट्रायल्स दे सकते है। खिलाड़ियों के लिए यही मंच आगे चल कर एक बड़ा मुकाम हासिल करने में सहायता प्रदान करते है और श्याम क्रिकेट लीग के आयोजन का यही मकसद भी है कि बच्चो की प्रतिभा को और अधिक बढ़ाया जाए।

नोएडा में इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी होगी विकसित, बनेगी ई-रिक्शा, ई स्कूटी, ई-बाइक और इलेक्ट्रिक कार

नोएडा, एजेंसी। ई-रिक्शा, ई स्कूटी, ई-बाइक और इलेक्ट्रिक कार नोएडा में ही बनेंगी। इसके लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू हो गया है। कंपनियों को जगह देने के लिए 100 एकड़ में इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी विकसित होगी। इस मामले को लेकर हाल ही में इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चर संस्था का प्रधिनिधिमंडल यमुना अथॉरिटी के सीईओ से मिला थ। सीईओ ने भी प्रस्ताव में दिलचस्पी दिखाकर 100 एकड़ जमीन देने की बात कही है।यह कोई पहला मौका नहीं है जब जेवर एयरपोर्ट के नजदीक किसी इंडस्ट्री को पार्क विकसित करने के लिए जमीन दी जा रही है।करीब आधा दर्जन पार्क पर पहले से ही काम चल रहा है। सेक्टर-28 में इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी के लिए जमीन दी जा सकती है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चर संस्था के प्रधिनिधिमंडल ने यमुना अथॉरिटी के सीईओ से मुलाकात की। उन्होंने सीईओ को यकीन दिलाकर कहा कि अगर अथॉरिटी इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी विकसित करता है,तब सिटी में कम से कम 50 कंपनियां अपनी यूनिट शुरू कर देंगी।इसके बाद ई-रिक्शा, ई स्कूटी, ई-बाइक और इलेक्ट्रीक कार तो बनेंगी ही, साथ में ई वाहनों में इस्तेमाल होने वाली लिथियम बैटरी पर इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी में ही बनेगी। साथ ही अथॉरिटी ने भी कारोबारियों को यकीन दिलाया है कि जब इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी बनेगी,तब जमीन के साथ ही कॉमन फैसिलिटी सेंटर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर, लैब टेस्टिंग स्किल डेवलपमेंट सेंटर, ग्रीन इनोवेशन सेंटर की सुविधाएं भी दी जाएंगी।

भ्ष्टाचार्र ओर अपराध मुक्त हो भारत सीबीआई ट्रस्ट के उद्देश्य :यादव

» (एजेंसी)

नई दिल्ली। क्राइम ब्यूरो इन्वेस्टीगेशन(सीबीआई ट्रस्ट) के दिल्ली मुख्यालय में वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें सम्पूर्ण भारतवर्ष से सीबीआई ट्रस्ट के वालेंटियर, कार्यकर्ता व मीडियामित्र उपस्थित हुए. संगठन की प्रथम वर्षगांठ केक काटकर मनाई गई।सीबीआई ट्रस्ट;संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप यादव ने सभी वलेंटियरो, कार्यकताओं और मीडिया मित्र को सम्बोधित करते हुए सभी को एक वर्ष कोरोना काल मे किये गए जन सहयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमको अपना देश पूर्णतः भ्ष्टाचार्र ओर अपराध मुक्त बनानां है। वही सभी को राष्ट्रीय भावना से काम करने की सलाह दी। इस मौके पर, राष्ट्रीय सचिव सुभाष चन्द्र यादव, सयुक्त सचिव विनय मिश्रा, द्वारा सभी साथियों को स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया गया। ओर कहा कि ट्रस्ट पूरे देश में लोगों को जागरूक कर रहा है।। क्राइम ब्यूरो इन्वेस्टीगेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों पर भी चर्चा की गई एवं वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा संस्था के कार्यों की प्रशंसा करते हुए बधाई दी गई। बैठक में उपस्थित हुए राष्ट्रीय सचिव सुभाष चन्द्र यादव, एडवाइजर- अवधेश मिश्रा, सूर्य प्रकाश त्रिपाठी, वरिष्ठ सदस्य लीलाधार नारद, जांच अधिकारी- राजकुमार, तोफिक, साकिर, सदस्य - जयंत नारद, हरीश कहार, जगदीश पवार, मो. अफसर खान, एडवोकेट राहुल शर्मा, मीडियामित्र- वरिष्ठ पत्रकार अभय गंगवार, राजीव गौर, बंसीलाल, कुलवंत कौर,(क्राइम रिपोर्टर) सुनील शर्मा, सुनीत त्रिपाठी, सुरज, विनय, हर्षित मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट में एक साथ दिलाई गई 9 जजों को शपथ बने कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में आज नौ जजों को एक साथ पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना ने जिन जजों को शपथ दिलाई उनमें जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका, विक्रम नाथ, जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, हेमा कोहली, वेंकटरमैया नागरत्ना, चुडालायिल थेवन रविकुमार, एम.एम. सुंदरेश, बेला मधुर्या त्रिवेदी और पामिघनतम श्री नरसिम्हा का नाम शामिल है। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को जब नौ जजों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली तो कई रिकॉर्ड बन गए। सुप्रीम कोर्ट इससे पूर्व कभी नौ जजों ने एक साथ शपथ नहीं ली थी। इन जजों में तीन महिला जज शामिल हैं। सर्वोच्च अदालत में तीन महिला जजों ने पहली बार शपथ ली है। इनमें से जस्टिस बीवी नागरत्न। एक ऐसी जज हैं जो 2027 के आसपास देश की मुख्य न्यायाधीश बनेंगी हालांकि उनका कार्यकाल काफी संक्षिप्त होगा। इसके अलावा जस्टिस पीएस नरसिम्हा ने भी जज की शपथ ली जो मई 2028 में मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं। जस्टिस नरसिम्हा सुप्रीम कोर्ट में वकील रहे हैं और उन्हें बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट में जज बनाया गया है। खास बात यह है कि जस्टिस नरसिम्हा अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल रहते हुए सरकार के महत्वकांक्षी कानून, एनजेएसी, जिसमें उच्च अदालतों में जजों की नियुक्ति की व्यवस्था की गई थी उसकी वकालत कर चुके हैं। वह स्वतंत्रता सेनानी के परिवार से आते हैं। जस्टिस नरसिम्हा सुप्रीम कोर्ट में सीधे जज बनने वाले नौवें वकील हैं। यह पहली बार नहीं होगा कि सीधे जज बनने वाले मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। इससे पूर्व जस्टिस एसएम सीकरी भी वकील से सीधे जज बन थे और जनवरी 1971 में देश के मुख्य न्यायाधीश बने थे। सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को सीधे जज बनाने की शक्ति संविधान के अनुच्छेद 124 से आती है। इसके अनुसार वह व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट में जज बन सकता है। जो कम से कम पांच साल हाईकोर्ट के जज रहे हों। या हाईकोर्ट में कम से कम 10 साल वकालत की हो। या राष्ट्रपति की राय में प्रमुख न्यायिवद हो, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में अब तक तीसरी श्रेणी के लोगों को जज नहीं बनाया गया है। जो भी वकील सीधे जज बने हैं वह दूसरी श्रेणी यानी वकालत पेशे से ही आते हैं।

दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूल आज से वापस खुलने को लेकर तैयार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 1 सितंबर से स्कूल वापस खुलने जा रहे हैं। जिसको लेकर डीडीएमए ने आदेश जारी करने के साथ ही दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं, लेकिन दिल्ली के कई निजी स्कूल फिलहाल 1 सितंबर से वापस शुरू होने को लेकर तैयार नहीं है। इन स्कूलों ने परीक्षाओं समेत वापस शुरू होने के लिए तैयारियों को इसकी वजह बताई है। दिल्ली में 1 सितंबर से 9वीं से 12वीं तक के स्कूल खोलने की तैयारियों को लेकर दक्षिणी दिल्ली के एक प्रमुख स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि उनके स्कूल में छात्रों की आंतरिक परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। जिसको लेकर ऑनलाइन परीक्षा कार्यक्रम तैयार हो गया है। ऐसे में फिलहाल 1 सितंबर से स्कूल खोलना संभव नहीं है। वहीं द्वारका स्थित मांउट कार्मेल स्कूल प्रशासकों का कहना है कि वह बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर है। स्कूल खोले जाने के सरकार के फैसले का वह स्वागत करते हैं, लेकिन वह कुछ समय इंतजार करना चाहते हैं। जिससे वह स्कूल खोलने की तैयारियों व कोरोना संक्रमण से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए एक ठोस योजना बना सकें।

बाजारों में बिक रहा मिलावटी गुड, हो सकता है नुकसानदायक

कैसे करें 'असली' या 'नकली' गुड की पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल पैसा कमाने के चक्कर में दुकानदार नकली गुड बनाकर बेच रहे हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तो चलिए हम आपको बताते हैं कि अच्छी गुणवत्ता वाले गुड़ की पहचान कैसे करनी चाहिए।गुड़ एक सुपर फूड और स्वीटनर है, जो गन्ने से बनता है। यह कच्चे गन्ने के रस को उबालकर बनाया जाता है। यह 20 प्रतिशत इनवर्टेड शुगर, 50 प्रतिशत सुक्रोज और 20 प्रतिशत नमी और कई तरह के घुलनशील पदार्थ से बनता है।

इसमें कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, पोटेशियम और जिंक , प्रोटीन , विटामिन बी की प्रचुर मात्रा के कारण यह चीनी का हेल्दी ऑप्शन है। गन्ने के रस को सांचों में डालने से पहले घंटों तक उबाला जाता है और फिर इसे सख्त होने के लिए रख दिया जाता है। वहीं चीनी को पैक करने से पहले क्रिस्टलाइजेशन के साथ कई अन्य प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इस प्रकार चीनी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक बन जाती है।गुड़ का रंग भी शुद्धता की पहचान करने का अच्छा तरीका है। आदर्श रूप से गुड़ का रंग गहरा भूरा होना चाहिए। लेकिन अगर आपके द्वारा खरीदे गए गुड़ में पीला रंग दिख रहा है, तो यह असली नहीं है। इसका पीला रंग रसायनिक उपचार का संकेत है। इस गुड़ को अगर आप पानी में डालेंगे, तो मिलावटी पदार्थ बर्तन में नीचे बैठ जाएंगे। जबकि अगर ये शुद्ध होगा तो पूरी तरह से पानी में घुल जाएगा। आमतौर पर मिलावटी गुड़ में कैल्शियम और सोडियम बायकाबोर्नेट मिलाया जाता है। कैल्शियम काबोर्नेट गुड़ में इसलिए मिलाया जाता है , ताकि इसका वजन बढ़ाया जा सके। जबकि सोडिसम बायकाबोर्नेट का इस्तेमाल पीला रंग मिलाने के बाद इसके लुक को निखारने के लिए होता है। मालूम हो कि मौसम में हल्की ठंडक आ गई है। ऐसे में अब बाजारों में गुड़ मिलना शुरू हो जाएगा। वैसे तो हर मौसम में गुड़ की बिक्री होती है, लेकिन सर्दी के दिनों में बाजार में मिलने वाले गुड़ की बात ही कुछ और है।

इसकी तासीर गर्म होती है, इसलिए शरीर में गर्माहट बनाए रखने के लिए ठंड के दिनों में इसे खाने की सलाह दी जाती है। कई लोग शक्कर की जगह गुड का ही इस्तेमाल करते हैं। इसका स्वाद तो अच्छा होता ही है साथ ही आयरन और विटामिन सी की उपस्थिति के चलते सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके तमाम फायदों का लाभ आप तभी ले पाएंगे, जब गुड़ शुद्ध होगा। लेकिन आप इस बात की गारंटी कैसे ले सकते हैं कि जो गुड़ आप खरीद रहे हैं, वो पूरी तरह से शुद्ध है।

देश को सतर्क रह कर किसी भी खतरे से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए: रक्षामंत्री राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिवंगत बलरामजी दास टंडन व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 'राष्ट्रीय सुरक्षा' पर एक व्याख्यान दिया। रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सतर्क रहने और ऐसे हर खतरे व चुनौती जो राष्ट्र के अस्तित्व, विकास और हितों को खतरे में डालती है, से निपटने के लिए तैयार रहने के एक दृढ़ विश्वास के रूप में परिभाषित किया। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति संवेदनशील होना हर सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजनाथ सिंह ने पिछले 75 वर्षों में भारत द्वारा अपनी भूमि और समुद्री सीमाओं पर चुनौतियों को याद दिलाया और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली हर चुनौती का सामना करने और उस पर काबू पाने के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की। 'स्वतंत्रता के बाद से, कुछ भारत विरोधी ताकतों द्वारा देश के भीतर अस्थिरता का माहौल बनाने के लिए लगातार प्रयास किया है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'जब उन्होंने महसूस किया कि वे हमारे साथ युद्ध में नहीं लड़ सकते हैं, तो उन्होंने छद्म युद्ध का सहारा लिया। उन्होंने भारत को निशाना बनाने के लिए आतंकवादियों को प्रशिक्षित और वित्तपोषित करना शुरू कर दिया।' पिछले 7 वर्षों से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए सशस्त्र बलों के प्रयासों की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र शासित प्रदेश जल्द ही आतंकवाद से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'अनुच्छेद 370 और 35ए के कारण अलगाववादी ताकतों को जो ताकत मिलती थी, वह अब कहीं नजर नहीं आती। राजनाथ सिंह ने पिछले सात वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ जवाब में 'सुरक्षा बलों के बढ़े हुए मनोबल और उनके बदले हुए तौर-तरीकों' को एक बड़ा बदलाव बताया। इस बात पर जोर देते हुए कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के राजनीतिकरण में विश्वास नहीं करती है, उन्होंने कहा कि अब सशस्त्र बलों में यह विश्वास है कि वे किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप के बिना राष्ट्र की सेवा में अपना कर्तव्य निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले सात वर्षों में भारत के भीतरी इलाकों में कोई बड़ी आतंकवादी घटना नहीं हुई है। यह हमारे सशस्त्र बलों के बढ़े हुए मनोबल और आत्मविश्वास को दशार्ता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बुरी ताकतों द्वारा अपनाया गया आतंकवाद का मॉडल धीरे-धीरे ढह रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत विरोधी ताकतें समझ गई हैं कि वे अब कश्मीर घाटी में ज्यादा कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं, खासकर अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि दुनिया की कोई भी ताकत जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग नहीं कर सकती है।' राजनाथ सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों ने हमेशा करारा जवाब दिया है जो उनकी सतर्कता और बहादुरी को दशार्ता है। उन्होंने राष्ट्र को आश्वासन दिया कि सशस्त्र बल राष्ट्र के हितों एवं देशवासियों की रक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर समय सतर्क हैं।

आधुनिक खेती और प्रदूषित होती धरती का मर्म !!

चकमक पत्थरों से आग पैदा करने से लेकर आज माइक्रोवेव ऑवन के दौर तक का सफर बेहद रोमांचक और यादगार है। पाषाण युग में जीव, वनस्पतियों को पहले कच्चा खाकर पेट भरना बाद में पकाकर खाना सीखना भी मानव सभ्यता की सिलसिलेवार कहानी है। यह विकास यात्रा जितनी रोचक है उतनी ही विस्तृत और कुछ यूँ कि कितना भी लिखा जाए शोध किया जाए, कभी खत्म नहीं होने वाली सत्यकथा। चूल्हे में पकाए भोजन का स्वाद, उसका जो महत्व था अब भी जस का तस है। चूल्हा पके भोजन व शुध्द प्राकृतिक उपज का अटूट संबंध भी है। इसके पीछे का मर्म कहें या संदेश साफ है कि शुध्द प्राकृतिक वातावरण वनस्पतियों को भी चाहिए। मानव व वनस्पति दोनों की जननी भूमि, हमारे स्वास्थ्य व समृध्दि के लिए वरदान है। यही प्रकृति शारीरिक विकृतियों, बीमारियों से बचाव का साधन भी है जिसे समझना होगा। यही वजह है कि अत्याधुनिक इस दौर में एक बार फिर प्राकृतिक और अब नया नाम ऑर्गेनिक खेती खूब चर्चाओं में है।

अरबों साल पुरानी धरती पर मानव जीवन 50 से 75 लाख साल पुराना माना जाता है। अध्ययनों और शोधों से भी पता चलता है कि मनुष्य ने कृषि में कई तरह के विकास पूर्व पाषाण युग में किए जो कि आधुनिक काल से 20-25 लाख साल पूर्व से शुरू होकर 12 हजार साल पूर्व तक माने जाते हैं। यानी यह वह दौर था जब कृषि का महत्व बढ़ता ही गया। विकास और सीखने के दौर में खेती केवल पत्थरों के औजारों से निकलकर हल-बैल, बक्खर से होते हुए रहट, तालाब, नहर, ट्रैक्टर, पॉवर ट्रिलर, बिजली के पंप यहां तक कि हरित ऊर्जा यानी सोलर पॉवर तक न केवल आ पहुँची बल्कि अहम होने लगी। दुनिया की अर्थव्यवस्था की प्रमुख धुरियों में खेती-किसानी भी शुमार होने लगी। भारतीय कृषि के संदर्भ में देखें तो रसायनिक खादों से पहले अरंडी, नीम, मूँगफली, सरसों आदि की खली की खाद, हड्डी का चूरा, सनई और मूँग की हरी और सूखी पत्तियों की खाद, बर्मी कम्पोस्ट का खूब चलन था। यह तब की विशुध्द प्राकृतिक खेती का दौर कहा जा सकता है। सच है कि भारतीय किसान 1960 से पहले यूरिया नहीं जानते थे। मवेशियों के मल से तैयार जैविक खाद और पारम्परिक कृषि पर ज्यादा निर्भरता थी। लेकिन तभी यह मिथक बढ़ा कि प्राकृतिक खादों से फसल का उत्पादन नहीं बढ़ता है। इसी बीच कृषि को अघोषित रूप से ही सही बड़ा इकोनॉमी सेक्टर

मान लिया गया और पूरी दुनिया में उत्पादन पर बढ़ावा जैसे शोध और नित नई तकनीकी के प्रयोगों का दौर चल पड़ा। हर रोज खेती एक नए और परिवर्तित रूप में दिखनी लगी। रसायनों के साथ हारवेस्टर, थ्रेसर और नए उपकरणों के चलते पैदावार बढ़ाने की तकनीकों के बीच धरती की सेहत का ध्यान ही नहीं रहा। बढ़ती जनसँख्या और खाद्यान्नों की जरूरतों के बीच उत्पादन की होड़ में यह भी ध्यान नहीं रहा कि जमीन पर रसायनों का कैसा दुष्प्रभाव हो रहा है? सच तो यह है कि इस बारे में ईमानदारी से सोचा ही नहीं गया। तभी हरित क्रान्ति का दौर जो आया तथा यूरिया और तमाम रासायनिक उर्वरकों ने देखते ही देखते दुनिया भर में खेती के तौर तरीके ही बदल दिए। यूरिया के परिणामों से फसल तो लहलहा उठी। लेकिन जल्द ही भोजन में आवश्यक तत्वों की कमीं और शरीर के लिए घातक तत्वों की अधिकता के साथ ही रसायनों के लगातार उपयोग ने जमीन की उर्वरता पर जो असर दिखाए उसने नई बहस और चिन्ता को जन्म दे दिया। खेत बंजर होने लगे तो समझ आया कि रसायनिक उर्वरक अब तक उपजाऊ रही जमीन को किस कदर खराब कर देते हैं। यह अब सबकी समझ में आने लगा है। शायद यही वजह भी है कि समूची दुनिया में एक बार फिर प्राकृतिक खेती पर बहस छिड़ गई है।

दरअसल खेती एक स्वतः प्रकृति जनित प्राकृतिक प्रक्रिया है। अज्ञानता कहें या उपज की हवस जो भी उसी के फेर में प्राकृतिक रूप से उपजाऊ जमीन का हमने बेहरमीं से मिजाज ही बदल डाला। शुरू में तो जरूर भरपूर बल्कि कहें इफरात पैदावार हुई। जिससे कोठियाँ और तिजोरियाँ भी खूब भरी गईं। लेकिन जल्द ही उपज के गुण-दोष असर दिखाने लगे। बारीकी से परखने पर पता चला कि रसायनिक उर्वरकों से उपजे अन्न से शरीर की जरूरत के मुताबिक पोषण तो नहीं मिला उल्टा नुकसान दिखने लगा। शायद आहार में मौजूद तत्वों के बदले संतुलन ने स्वास्थ्य पर जहाँ असर दिखाया वहीं कृषि भूमि का खतरनाक मिजाज भी समझ आने लगा। इसी से सबका झुकाव फिर प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ा नतीजन के इसके तौर तरीके चर्चाओं में आए और इनकी उपज की माँग बेतहाशा बढ़ने लगी। इन्हीं में एक जीरो बजट नेचुरल फॉर्मिंग है जिसमें बिना निंदाई, जुताई, गुड़ाई की खेती की तरह-तरह की कला से नई उम्मीद जगी कि जल्द ही दुनिया में एक बदलाव तय है वह यह कि हम भोजन की प्राकृतिक शुध्दता को फिर से पा सकेंगे।

आँध्र प्रदेश पहला राज्य है जिसने 2015 में ही जीरो बजट खेती की और 2024 तक इसे गाँव-गाँव तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा। हिमांचल प्रदेश में तो 2022 तक पूरे राज्य को प्राकृतिक खेती में तब्दील करने की ठान रखी है। भारत में प्राकृतिक खेती पर कई नाम अपने आप में ब्रॉन्ड बनते जा रहे हैं। सभी बढ़ावा देने का काम कर एक तरह से पूरे देश में नई क्रान्ति लाने की दिशा में तत्पर हैं। इनमें महाराष्ट्र के कृषि वैज्ञानिक सुभाष पालेकर को भारत में इसका सूत्रधार कहा जा सकता है। जिन्हें जंगलों से प्रेरणा मिली कि बिना खाद और इंसानी मदद के कैसे हरे-भरे हैं? बस यहीं से उन्होंने नया सूत्रपात किया। जब बिना खाद जंगल पनप सकते हैं तो हम अपने खेत में उपज क्यों नहीं ले सकते? कई पुस्तकों के लेखक पालेकर ने 15 वर्ष तक कई शोध किए। आज वह दुनिया भर में प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण दे रहे हैं। उत्तराखण्ड के एक गाँव लावली के युवा दम्पत्ति वन्दना और त्रिभुवन जो मुँबई में फैशन इण्डस्ट्री से जुड़े थे अपनी मासूम बच्ची को खोने के बाद प्रकृति से जुड़ने वापस गाँव लौटे और प्राकृतिक खेती में जुट गए। वहाँ लीज पर जमीन लेकर खेती शुरू की। आज वह पूरे क्षेत्र के लिए मिशाल हैं। मौसम के हिसाब से खेती में न केवल खुद महारत हासिल की बल्कि पूरे गाँव की तकदीर बदलने की भी ठान ली। उन्होंने पहाड़ों पर फसल लहलहा कर नया उदाहरण पेश किया।

संपादकीय

टोक्यो में डंका

टोक्यो पैरालंपिक में भारत की अवनि लेखरा ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर स्पर्धा एसएच-1 में यह स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान की अवनि लेखरा ने इतिहास रच दिया। टोक्यो पैरालिंपिक में अवनि लेखरा ने फाइनल में 249.6 पॉइंट हासिल कर यूक्रेन की इरिना शेटनिक के रिकॉर्ड की बराबरी की। शूटिंग में गोल्ड जीतने के साथ ही अवनि देश की पहली महिला खिलाड़ी बन गई, जिसने ओलिंपिक या पैरालिंपिक में गोल्ड मेडल जीता हो। टोक्यो पैरालंपिक में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक है। पुरुषों की एफ-56 डिस्कस थ्रो स्पर्धा में भारत के योगेश कथुनिया ने रजत पदक जीता। जबकि पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में देवेंद्र झाझरिया रजत पदक जीतने में सफल रहे। वहीं सुंदर सिंह गुर्जर ने कांस्य पदक पर कब्जा किया। बीता पांचवां दिन भारत के लिए शानदार रहा और तीन भारतीय एथलीट पदक जीतने में सफल हुए। अब तक भारत सात पदक जीत चुका है और कई स्पद्धाओं में पदक पक्का कर लिया है। मगर अवनि की जीत सबसे अहम है। एक ऐसी खिलाड़ी का गोल्ड जीतना जो जीवन से हार चुकी थी और अपाहिज की तरह जीवन गुजारने के सिवाए दूसरा रास्ता नहीं था। मगर अवनि ने अपने माता-पिता के सहारे नई यात्रा शुरू की। उनकी प्रेरणा से आज ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है, जिसकी खुद उन्हें उम्मीद नहीं थी। अवनि का गोल्ड सिर्फ मेडल नहीं है, यह उन लोगों के लिए प्रेरणा है जो सफलता न मिलने पर निराश हो जाते हैं या शारीरिक अक्षमता को जीवन का हिस्सा मानकर आगे बढने से रुक जाते हैं। जयपुर की रहने वाली अवनि ने 9 साल पहले कार एक्सीडेंट में अपने दोनों पैर गंवा दिए थे। अवनि व्हीलचेयर पर हैं। पैरालिंपिक इतिहास में भारत के लिए महिलाओं ने तीसरा मेडल जीता है, इससे पहले शॉटपुट में दीपा मलिक और इसी पैरालिंपिक में भाविना पटेल ने टेबल टेनिस में मेडल जीता है। वहीं ओलिंपिक में महिलाओं ने भारत को अब तक 8 मेडल दिलाए हैं। इनमें पीवी सिंधु ने 2, जबकि कर्णम मल्लेश्वरी, साइन नेहवाल, मैरीकॉम, साक्षी मलिक, मीराबाई चानू, लवलीना भारत को मेडल दिला चुकी हैं। हालांकि कोई भी महिला आज तक भारत को गोल्ड नहीं दिला पाई। टोक्यो पैरालंपिक में कामयाबी की नई इबारत लिखने वाली अवनि ने साल 2015 में जयपुर (राजस्थान) के जगतपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शूटिंग शुरू की। 8 नवंबर 2001 को जयपुर में जन्मीं अवनि को पिता ने खेल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। अवनि ने शुरू में शूटिंग और तीरंदाजी दोनों की कोशिश की। इसके बाद अवनि को शूटिंग में ज्यादा मजा आया। इसके बाद वह इसे ही जारी रखा। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा की किताब पढने के बाद वह और भी प्रेरित हुईं। बता दें कि अवनि राजस्थान विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की हैं। अवनि ने 2017 में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। यूएई में हुए विश्व कप में उन्होंने हिस्सा लिया था। साल 2019 में उन्हें भारत में गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा मोस्ट प्रॉमिसिंग पैरालंपिक एथलीट नामित किया गया था। अवनि ने साल 2018 में एशियन पैरा गेम्स में भी हिस्सा

प्रवीण कुमार सिंह

देवेन्द्र झाझड़िया ने कामयाबी की मंजिल तक पहुँचने के लिए काफी कड़ी मेहनत की है

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के चूरू जिले के देवेन्द्र झाझड़िया अब तक दर्जनों पदक अपने नाम कर चुके हैं। 2004 में एथेंस पैरालंपिक में देवेन्द्र ने 62.15 मीटर भाला फेंककर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद देवेन्द्र ने रियो पैरालंपिक-2016 में अपना ही बनाया विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुये 63.97 मीटर भाला फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। कतर की राजधानी दोहा में सम्पन्न हुये आईपीसी 2015 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) में भारत की ओर से देवेन्द्र झाझड़िया ने रजत पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया था। यह स्पर्धा पैरालंपिक के बाद विश्व की सबसे बड़ी प्रतियोगिता मानी जाती है। इससे पूर्व झाझड़िया ने 2013 में फ्रांस के लियोन शहर में आईपीसी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत के देवेंद्र झाझड़िया ने पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक)- एफ46 में सिल्वर मेडल जीत कर भारत का नाम रोशन किया है। टोक्यो ओलिंपिक में उन्होंने 64.35 मीटर भाला फेंक कर चांदी का तमगा अपने नाम किया है। वहीं सुंदर सिंह गुर्जर ने इसी इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 64.01 मीटर भाला फेंका। ये दोनों ही खिलाड़ी राजस्थान के हैं। जैसे ही देवेन्द्र के रजत पदक व सुन्दर गुर्जर के कांस्य पदक जीतने की सूचना मिली तो हर ओर से बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए। देवेंद्र झाझड़िया ने टोक्यो पैरालंपिक में 64.35 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए सिल्वर पदक जीता है। इसी के साथ ही देवेंद्र झाझड़िया के पास अब पैरालंपिक में पदकों की संख्या तीन हो गई है।

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के चूरू जिले के देवेन्द्र झाझड़िया अब तक दर्जनों पदक अपने नाम कर चुके हैं। 2004 में एथेंस पैरालंपिक में देवेन्द्र ने 62.15 मीटर भाला फेंककर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद देवेन्द्र ने रियो पैरालंपिक-2016 में अपना ही बनाया विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुये 63.97 मीटर भाला फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। कतर की राजधानी दोहा में सम्पन्न हुये आईपीसी 2015 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) में भारत की ओर से देवेन्द्र झाझड़िया ने रजत पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया था। यह स्पर्धा पैरालंपिक के बाद विश्व की सबसे बड़ी प्रतियोगिता मानी जाती है। इससे पूर्व झाझड़िया ने 2013 में फ्रांस के लियोन शहर में आईपीसी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने फ्रांस के लियोन में सम्पन्न हुयी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जैवलिन थ्रो में 57.04 मीटर दूरी तक थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लगातार भारत की तरफ से पदक जीतने वाले देवेन्द्र एकमात्र खिलाड़ी हैं।

आठ साल की उम्र में बिजली के करंट का शिकार होकर अपना एक हाथ गंवा देने वाले देवेंद्र झाझड़िया के लिए यह हादसा कोई कम नहीं था। दूसरा कोई होता तो दुनिया की दया, सहानुभूति तथा किसी सहायता के इंतजार और उपेक्षाओं के बीच अपनी जिंदगी के दिन काटता लेकिन हादसे के बाद एक लंबा वक्त बिस्तर पर

गुजारने के बाद जब देवेंद्र उठा तो उसके मन में एक और ही संकल्प था और उसके बचे हुए दूसरे हाथ में उस संकल्प की शक्ति देखने लायक थी। देवेंद्र ने अपनी लाचारी और मजबूरी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। कुदरत के इस अन्याय को ही अपना सम्बल मानकर हाथ में भाला थाम लिया और एथेंस पैरालंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत कर वो करिश्मा कर दिखाया जिसका ख्वाब हर कोई देखता है।

दराजस्थान में चूरू जिले की राजगढ़ तहसील के छोटे से गांव जयपुरिया की ढाणी में एक साधारण किसान रामसिंह के घर 10 जून 1981 को जन्मे देवेंद्र किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। सुविधाहीन परिवेश और विपरीत परिस्थितियों को देवेंद्र ने कभी अपने मार्ग की बाधा स्वीकार नहीं किया। गांव के जोहड़ में देवेंद्र ने लकड़ी का भाला बनाकर खुद ही अभ्यास शुरू कर दिया। कॉलेज में पढ़ते वक्त बंगलौर में राष्ट्रीय खेलों में जैवलिन थ्रो और शॉट पुट में पदक जीतने के बाद तो देवेंद्र ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1999 में राष्ट्रीय स्तर पर जैवलिन थ्रो में सामान्य वर्ग के साथ कड़े मुकाबले के बावजूद स्वर्ण पदक जीतना देवेंद्र के लिए बड़ी उपलब्धि थी। देवेंद्र के ओलंपिक स्वप्न की शुरूआत हुई 2002 के बुसान (दक्षिण कोरिया) एशियाड में स्वर्ण पदक जीतने के साथ। इसके बाद 2003 के ब्रिटिश ओपन खेलों में देवेंद्र ने जैवलिन थ्रो, शॉट पुट और ट्रिपल जम्प तीनों स्पधाओं में सोने के पदक अपनी झोली में डाले। देश के खेल इतिहास में देवेंद्र का नाम उस दिन सुनहरे अक्षरों में लिखा गया जब उन्होंने 2004 के एथेंस ग्रीस पैरा ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। 2006 में मलेशिया के कुआलालमपुर में आयोजित फेसपिक गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। 2007 के वर्ल्ड गेम्स में रजत पदक व 2009 के वर्ल्ड गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। देवेंद्र झाझड़िया ने दुबई में संपन्न छठी फैजा इंटरनेशनल चैंपियनशिप की भाला जैवेलियन थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। देवेंद्र की कामियाबियों पर उन्हें 3 दिसम्बर 2004 को राष्ट्रपति ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया था। 2004 में महाराणा प्रताप राज्य खेल पुरस्कार मिला। 29 अगस्त 2005 में वह अर्जुन अवार्ड से नवाजे गए। 2005 में उन्हें पीसीआई उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार मिला। 2014 में पद्मश्री और पैरा स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर अवार्ड मिला। 2016 में जीक्यू मैगजीन की ओर से वह बेस्ट प्लेयर के अवार्ड से नवाजे गये। 29 अगस्त 2017 को खेलों में देश का सबसे बड़ा मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड उन्हें मिला।

भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और अपनी मां जीवणी देवी को अपना आदर्श मानने वाले देवेंद्र की झोली आज पदकों-पुरस्कारों से भरी पड़ी है और देवेंद्र कामयाबी के इस आसमान पर खड़े होकर भी अपनी मिट्टी को सलाम करते हैं। खेलों के सिलसिले में दर्जनों देशों का सफर कर चुके देवेंद्र को सुकून तब मिलता है जब वे गांव आने के बाद अपने खेल जीवन की शुरूआत में कर्मस्थली बनी गांव के जोहड़ की मिट्टी में अभ्यास करते हैं। मई 2007 में विवाह सूत्र में बंधे देवेंद्र की जीवन-संगिनी मंजू भी कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। साधारण परिवेश और अभावों की बहुलता से अपने हौसले के दम पर संघर्ष कर इतिहास रचने वाले राजस्थान के नूर और युवा पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत देवेंद्र झाझड़िया को भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री अवार्ड भी दिया जा चुका है। देवेंद्र ने अपनी यह उपलब्धि अपने माता-पिता को समर्पित करते हुए कहा कि इससे समाज के तमाम निःशक्तों का हौसला बढ़ेगा और निःशक्तों के प्रति लोगों की धारणाओं में बदलाव आएगा। कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ऑनलाइन बातचीत में देवेंद्र झाझड़िया ने कहा था कि जब मेरी स्पर्धा भालाफेंक को पैरालंपिक 2008 में शामिल नहीं किया गया था, उस वक्त मैंने सोचा था कि ठीक है यह 2012 में शामिल हो जायेगा। लेकिन जब 2012 में यह फिर शामिल नहीं हुआ तो मैंने सोचा कि मैं खेल छोड़ दूं। तब मेरी पत्नी मंजू ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए और मैं 2016 तक खेल सकता हूं। इसलिए मैंने अपनी योजना बदल दी।

जिन पे तकिया था वही पत्ते हवा देने लगे

क ी

पूरे देश में अब तक मॉब लिंचिंग की सैकड़ों घटनायें हो चुकी हैं। गौतस्करी के नाम पर सैकड़ों लोगों की जानें ली जा चुकी हैं। और नफरत की यह आग जो कि उम्मीद की जा रही थी कि शायद कोरोना काल के बाद कुदरत के कहर से डर कर शायद ठंडी पड़ जायेगी परन्तु ठीक इसके विपरीत सत्ता व मीडिया के संयुक्त नेटवर्क ने इसे और भी प्रज्वलित कर दिया। कोरोना काल में मीडिया ने ह्यकोरोना जिहाद ह्य नामक नई शब्दावली गढ़ डाली। लोगों के घरों के फ्रिज व पतीलों में झाँक कर गौमांस ढूँढा जाने लगा। दो अलग अलग समुदायों के लड़कों व लड़कियों का साथ रहना,पढ़ना,घूमना पार्कों में बैठना सब मुश्किल हो गया। और नफरत की यह आग अब तो इतनी ज्यादा फैल चुकी है कि इसने अनैतिकता की सभी हदें पार कर दी हैं।

भारतवर्ष गत कई दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है। पाकिस्तान द्वारा प्रेषित आतंकियों ने जहाँ सैन्य ठिकानों,सैन्य कर्मियों उनके परिजनों पर किये हमले किये वहीँ मुंबई में रेलवे स्टेशन व ताज होटल जैसे सार्वजनिक स्थलों पर 26 /11 जैसा बड़ा हमला कर अपने दुस्साहस का परिचय देने की भी कोशिश की। परन्तु इनके अलावा पाकिस्तानी आतंकी आकाओं ने देश के रघुनाथ मंदिर,अक्षरधाम मंदिर,संकटमोचन मंदिर व अयोध्या जैसे कई प्रमुख पवित्र धर्मस्थलों को भी निशाना बनाया।राजनैतिक विश्लेषकों द्वारा उस समय यह लिखा व कहा जाता था कि पाकिस्तान व उसके पोषित गुर्गों द्वारा भारत में धर्मस्थलों को इसलिये निशाना बनाया जा रहा है ताकि भारत में हिन्दुओं व मुसलमानों के बीच नफरत की खाई गहरी की जा सके। देश के इन दोनों समुदायों के बीच नफरत व हिंसा का माहौल पैदा किया जा सके। परन्तु देश में साम्प्रदायिक शक्तियों की सक्रियता तथा पाकिस्तान के तमाम कुत्सित दुष्प्रयासों के बावजूद हमारे देश में साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव पूरी मजबूती से बरकरार था। परन्तु गत एक दशक में हमारे देश में सांप्रदायिक शक्तियों का जिसतरह उभार हुआ है,खास तौर पर ऐसे लोगों को जिसतरह सत्ता संरक्षण हासिल हो रहा है उन्हें देखकर तो साफ जाहिर होता है कि अब हमारे ही देश में सक्रिय राजनैतिक संरक्षण प्राप्त असामाजिक तत्वों ने पाकिस्तानी आतंकी रणनीतिकारों का काम आसान कर दिया है। बल्कि यह भी कहा जा सकता है कि भारत में अनेक धर्मस्थलों पर बड़े से बड़ा हमला करने के बावजूद भारतीय समाज में जो विघटन पाकिस्तान तीन दशकों में पैदा नहीं कर सका वह काम भारत में ही रहने वाले ह्यस्वयंभू राष्ट्रवादियों ह्य ने महज एक दशक के भीतर ही कर डाला।

पूरे देश में अब तक मॉब लिंचिंग की सैकड़ों घटनायें हो चुकी हैं। गौतस्करी के नाम पर सैकड़ों लोगों की जानें ली जा चुकी हैं। और नफरत की यह आग जो कि उम्मीद की जा रही थी कि शायद कोरोना काल के बाद कुदरत के कहर से डर कर शायद ठंडी पड़ जायेगी परन्तु ठीक इसके विपरीत सत्ता व मीडिया के संयुक्त नेटवर्क ने इसे और भी प्रज्वलित कर दिया। कोरोना काल में मीडिया ने ह्यकोरोना जिहाद ह्य नामक नई शब्दावली गढ़ डाली। लोगों के घरों के फ्रिज व पतीलों में झाँक कर गौमांस ढूँढा जाने लगा। दो अलग अलग समुदायों के लड़कों व लड़कियों का साथ रहना,पढ़ना,घूमना पार्कों में बैठना सब मुश्किल हो गया। और नफरत की यह आग अब तो इतनी ज्यादा फैल चुकी है कि इसने अनैतिकता की सभी हदें पार कर दी हैं। अब तो यदि हत्यारा व बलात्कारी बहुसंख्य समाज का है और पीड़ित परिवार या बलात्कार व हत्या की शिकार किशोरी अल्पसंख्यक समाज की तो यही सत्ता संरक्षित असामाजिक तत्वों की भीड़ हत्यारे व बलात्कारी के पक्ष में खुल कर खड़ी हो जाती है। इतना ही नहीं इस भीड़ में मंत्री नेता सांसद व विधायक तक शरीक ही नहीं होते बल्कि ऐसी भीड़ का नेतृत्व करते हैं। कभी अल्पसंख्यक समाज के किसी रेहड़ी सब्जी वाले की पिटाई कर दी जाती है तो कभी किसी मेहनतकश रिक्शे वाले को मारा जाता है। कभी किसी गरीब की दाढ़ी जबरन काट दी जाती है तो कभी जय श्री राम का नारा लगाने के लिये बाध्य किया जाता है। जिन्हें खुद पूरा वंदे मातरम याद नहीं वह अल्पसंख्यकों को वन्देमातरम पढ़ने के लिये मजबूर करते हैं। और इंसानियत तो तब और भी शर्मसार होती है जब किसी मुस्लिम बच्चे को कई हट्टे कट्टे लोगों द्वारा मिलकर सिर्फ इस बहाने पीटा जाता है कि उसने मंदिर के बाहर लगे सार्वजनिक वाटर कूलर से अपनी प्यास बुझाने के लिये पानी क्यों पी लिया ? शायद इन ह्यराष्ट्रवादियों ह्य को भाई कन्हैया सिंह जी का वह मानवता पूर्ण मार्मिक इतिहास पता नहीं जबकि वह मैदान-ए-जंग में अपने दुश्मनों के घायल सैनिकों को भी पानी पिला कर मानवता की मिसाल पेश करते थे।

देश की एकता को बाधित करने वाले इन तत्वों को तथा इन्हें प्रोत्साहित करने व उकसाने वाले नेताओं को जिस प्रकार ह्यपदोन्नति ह्य दी जा रही है उससे भी सन्देश साफ है कि असामाजिक तत्व जो चाहे करें उनका सरकार या कानून अथवा प्रशासन कुछ नहीं बिगाड़ने वाला। इसीलिये अब इसतरह की घटनायें लुक छुप कर नहीं की जातीं बल्कि पूरे योजनाबद्ध तरीके से होती हैं। किसी ऐसी हिंसक घटना को अंजाम देने से पहले बाकायदा इसकी वीडीओ बनाई जाती है। और ऐसी हिंसा पूर्ण वीडीओज को सोशल मीडिया पर अपलोड कर उन्हें वायरल कराया जाता है। उसके बाद यही अपराधपूर्ण वीडीओ देशवासियों को धर्म के आधार पर विभाजित करने व समाज में फूट डालने का सबब बनती हैं। नतीजतन देश के किसी दूसरे क्षेत्र से कुछ ही दिन बाद इसी तरह की एक और घटना खबर आ जाती है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश के इंदौर में एक अल्पसंख्यक समुदाय के चूड़ी बेचने वाले गरीब युवक की बेरहमी से पिटाई की घटना को ही देखिये। सुनियोजित तरीके से कैसे उसकी पिटाई का वीडीओ बनाया गया। वीडीओ वायरल होने पर किस तरह मध्य प्रदेश के गृह मंत्री महोदय आक्रमणकारी असामाजिक तत्वों के बचाव में यह कहते हुए उतरे कि चूड़ी बेचने वाले की पिटाई का कारण यह था कि वह अपना असली नाम छुपा कर कोई हिन्दू नाम रखकर चूड़ियां बेच रहा था। यह आरोप भी लगाया गया कि चूड़ी बेचने वाले ने किसी लड़की से छेड़ छाड़ की थी।

उपरोक्त घटनाक्रम में यदि यह मान भी लिया जाये कि चूड़ी विक्रेता युवक अपना नाम बदल कर चूड़ियां बेच रहा था तो भी सत्ताधीशों को इस बात पर शर्म आनी चाहिये कि उन्होंने व उनके समर्थक अतिवादियों ने ही आखिर ऐसा भयपूर्ण वातावरण क्यों पैदा किया जिसकी वजह से समाज के एक वर्ग में इतना भय व्याप्त हो गया कि वह गरीब अपनी रोजी रोटी कमाने के लिये धर्म आधारित अपनी असली पहचान छुपाने के लिये मजबूर हुआ ?

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

खबर एक नजर

कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि दे राजनाथ सिंह बोले-मैं हूं और मैं ही रहूंगा, ऐसा भ्रम नहीं होना चाहिए

लखनऊ, एजेंसी। उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान एवं हिमांचल के राज्यपाल रहे स्व. कल्याण सिंह की याद में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ने पूरे प्रदेश में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। राजधानी लखनऊ में बड़े पैमाने पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में करीब 40 राजनीतिक दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया था। लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का कोई भी नेता नहीं पहुंचा जबकि बसपा के सतीश चन्द्र मिश्र ने सभा में पहुंच कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा को सम्बोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्व. कल्याण सिंह की याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि लोग आते है और चले जाते है। मैं हू और मैं ही रहूंगा, ऐसा भ्रम नहीं होना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल समेत कई दिग्गजों ने कल्याण सिंह को पुष्पांजलि दी। सभा में 40 पार्टियों को बुलाया गया था, इसमें बसपा के महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा समेत 25 दलों के नेता शामिल हुए। वहीं कांग्रेस और सपा का कोई बड़ा नेता नहीं पहुंचा। कल्याण सिंह के निधन पर भी सपा के मुलायम सिंह यादव व अखिलेश यादव या कांग्रेस के राहुल गांधी या प्रियंका गांधी नहीं पहुंचीं थीं। हालांकि अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर शोक जताया था। इस मौके पर रक्षामंत्री ने कहा कि कल्याण सिंह का रिश्ता एक नेता, बड़े भाई और सखा के रूप में मेरा रिश्ता था। वो बेहद विनोदी स्वभाव के थे। 1977 में जब पहली बार वो स्वास्थ मंत्री बने, तब लोग कहने लगे थे कि ये भविष्य के मुख्यमंत्री है। नकल रोकने के लिए कठोर कानून बनाने का प्रस्ताव जब कैबिनेट में रखा गया, तब कैबिनेट में इस पर मतभेद था। दो बार मंत्रिमंडल से पास नहीं हो पाया। लेकिन अगली बैठक हुई, तब चेयर पर बैठते ही वो प्रस्ताव निकाला और कहा कि इस पर कोई चर्चा नहीं होगी, ये प्रस्ताव पारित कर दिया। ये उनकी दृढ़ इच्छा बताने के लिए काफी है। वो खुद चाय बनाते थे, और सभी को पिलाते थे। हम लोग कई बार निवेदन करते थे, तब वो हम लोगो के साथ ताश भी खेलते थे। संघ के सर सहकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने कल्याण सिंह को याद करते हुए कहा कि मैं अक्सर उनके (कल्याण सिंह) गांव जाता था। वंहा मैं जिला प्रचारक भी रहा। उनके घर कोई कमरा पक्का नहीं था। गांव और गरीब के कष्ट को उन्होंने करीब से समझा था। कल्याण सिंह अच्छे वक्ता थे। जो बोलते थे, उसे लोग ध्यान से सुनते थे। युवा अवस्था में जनसंघ में आ गए और लोगों के दिल पर छा गए। कल्याण सिंह का संकल्प विपन्न को सम्पन्न बनाने का था। कल्याण सिंह के प्रारंभिक गुरु दीनदयाल प्रारंभिक गुरु थे। मुख्यमंत्री योगी ने कल्याण सिंह को याद करते हुए कहाकि छोटे का बड़ा बनना उसकी महानता होती है। कल्याण सिंह अलीगढ़ के एक छोटे से गांव में किसान के घर मे जन्मे, शिक्षक का काम किया संघ से जुड़े और जो दायित्व दिया गया उसे निभाया। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका कृतित्व हमारे सामने है। समर्पण का भाव जब तक मौजूद रहेगा, आम जन के मन में भी कल्याण सिंह के लिए श्रद्धा बनी रहेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बाबूजी, जिनके बारें में कुछ कहना मेरे लिए सूरज को दीपक दिखाना होगा। वह सच्चे मायने में रामभक्त थे। 6 दिसम्बर 1996 में कारसेवा के दौरान वीएचपी के संगठन का पदाधिकारी होने के तहत मौजूद था। उन्होंने कारसेवकों पर एक खरोच भी नहीं आने दिया। अपनी सरकार की कुबार्नी दे दी। बाबू जी का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देंगे। सभा में बसपा की तरफ से महासचिव सतीश मिश्रा भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह एक बड़ा नाम राजनीति में रहा है। वह आने वाले सदियों तक प्रेरणा देने का काम करेंगे। मेरी उनसे व्यक्तिगत मुलाकात कई बार हुई। वो ऐसे राजनेता थे तो कभी भी जनहित के फैसले को टालने का काम नहीं करते थे। मैं अपनी पार्टी की ओर से उनके परिवार और भारतीय जनता पार्टी को इस दुख की घड़ी को सहन करने की कामना करता हूं। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने सोमवार को मुलायम सिंह से मुलाकात कर उन्हें आज महानगर में कल्याण सिंह के लिए रखी गई श्रद्धांजलि सभा के बारे में जानकारी दी और आने का न्योता भी दिया था। उन्होंने कहा कि सतीश चंद्र मिश्रा और मुलायम सिंह यादव को खुद निमंत्रण दिया था। मायावती को भी फोन किया था। उन्होंने कहा कि वह 2 या 3 दिन बाद आएंगी। 40 पार्टियों को बुलाया था, करीब 25 पार्टियों के नेता आए हैं। विदित हो कि कल्याण सिंह का 21 अगस्त को लखनऊ के पीजीआई में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास एवं नागरिक शास्त्र महोत्सव ह्यरिफलेक्शन्स इण्टरनेशनल-2021 का भव्य समापन

लखनऊ, एजेंसी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, महानगर कैम्पस द्वारा ऑनलाइन आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास एवं नागरिक शास्त्र महोत्सव 'रिफलेक्शन्स इण्टरनेशनल-2021' आज सम्पन्न हुआ। आज सायं ऑनलाइन सम्पन्न हुए पुरस्कार वितरण व समापन समारोह में रंगारंग शिक्षात्मक-साँस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तुतिकरण के बीच देश-विदेश के विजयी छात्रों को सम्मानित किया गया। इससे पहले, समापन समारोह में देश-विदेश के प्रतिभागी छात्रों व उनके शिक्षकों के सम्मान में सी.एम.एस. छात्रों ने शिक्षात्मक-साँस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियों का समाँ बाँधा। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्कूल प्रार्थना, सर्व-धर्म व विश्व एकता प्रार्थना से हुआ। इस चार दिवसीय ह्यरिफलेक्शन्स इण्टरनेशनल-2021ह्न में मॉरिशस, थाईलैण्ड, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों के प्रतिभागी छात्रों ने विभिन्न रोचक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं में बड़े उत्साह से प्रतिभाग कर न सिर्फ अपने ज्ञान-विज्ञान का जोरदार प्रदर्शन किया अपितु एकता, सहिष्णुता व सौहार्द की भावना का संदेश भी दिया। रिफलेक्शन्स इण्टरनेशनल-2021 के पुरस्कार वितरण व समापन समारोह में जूनियर वर्ग की सिम्पोजियम प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार मेजबान सी.एम.एस. महानगर कैम्पस के छात्र वैभव सिंह एवं गैलेक्सी पब्लिक स्कूल, नेपाल की छात्रा बिदुसी शर्मा को संयुक्त रूप से मिला जबकि सीनियर वर्ग की वाद-विवाद प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार दिल्ली पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद के ध्रुव सिंघल एवं बोस्को पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली के चेतन्य टमटा को संयुक्त रूप से मिला। इसी प्रकार, क्विज प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार सेंट ग्रेगरी हाई स्कूल एण्ड कालेज, ढाका, बांग्लादेश की छात्र टीम को, लीजेन्ड्स रिसरेक्ट (ग्रुप डिस्कशन) प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार रेयान इण्टरनेशनल स्कूल, शाहजहांपुर की निकता तिवारी एवं नवरचना हायर सेकेण्डरी स्कूल, वड़ोदरा, गुजरात के शौक्रित डे को, फ्लैश ड्रामा प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार बोस्को पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली एवं नालंदा इण्टरनेशनल स्कूल, वड़ोदरा, गुजरात को, एड-लिब (भाषण) प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार सी.एम.एस. गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) की छात्रा समायरा परवीन एवं प्रताप पब्लिक स्कूल, करनाल, हरियाणा की समदिशा को जबकि प्रोजेक्ट ऑन कम्युनिटी सर्विसेज प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार बी.सी.एम. आर्य मॉडल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल एवं डेलही पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। इस अवसर पर सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं एम.डी. प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने देश-विदेश के प्रतिभागी छात्रों को विश्व नागरिक बनकर समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

वर्षा अभाव में सूखा पड़ा तेराह मोरी बांध, किसानों की आस लगी इंद्रदेव की ओर,महंगा व मोल लेने को विवश हैं किसान पानी

» (एजेंसी)

आगरा। प्राचीन बांध तेरा ह मोरी के नाम से प्रसिद्ध है यह बांध पूर्व काल में हरियाली व समृद्धि के लिए जाना जाता है। मुगल काल मैं इस बांध को मोती झील के नाम से भी जाना जाता है। आजकल यह बांध जल अभाव के चलते सूखा पड़ा हुआ है इस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली उपजाऊ भूमि सूखा क्षेत्र जैसी तथा इस क्षेत्र का जल स्तर निरंतर गिर जाने से गिर जाने से जल संकट गहरा गया है इस बांध मैप पानी एकत्र ना हो पाने से हुए और नलकूप नाकारा साबित हो रहे हैं। समर्सिबल जल प्राप्ति का प्रमुख साधन बनकर रह गया है बनकर रह गया है किसानों को पानी की कीमत देनी पड़ती है इधर बिजली के बढ़ते दाम और डीजल की महंगाई ने किसानों के सामने जटिल समस्या उत्पन्न कर दी है। 1. इस बांध मैं जल समस्या जटिल क्यों बनी। प्राचीन बांध में वर्षा के अलावा राजस्थान के बांधों से भी पानी की आवक हुआ करती थी। 14 अगस्त 1972 में भयंकर बाढ़ आ जाने के बाद से राजस्थान सरकार ने पानी की आवक पर अपनी ओर से पाबंदी लगा दी। जिससे पानी की किल्लत बढ़ गई वही बरसाना होने से सिंचाई एवं पेयजल समस्या जटिल होती चली गई। सिंचाई एवं पेयजल समस्या की मांग निरंतर उड़ती रही। राजस्थान सीमा से लगे ऐसे क्षेत्र की जल समस्या को लेकर जनप्रतिनिधि पूर्व सांसद एवं प्रदेश के मंत्री चौधरी बाबूलाल ने भी काफी प्रयास किए के इस क्षेत्र की चल समस्या को हल करने के लिए एफएम 1&२ ब्रांच मंडी गुड़ की नहर से तेरा मोरी बांध को पानी दिया जाए लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। लोकसभा बेबी फतेहपुर सीकरी की जल समस्या के निस्तारण के लिए वर्तमान सांसद फतेहपुर सीकरी चौधरी राजकुमार चाहर ने भी केंद्र सरकार से पुरजोर मांग की है। क्षेत्रीय किसानों का भाग्य और समय ही बताएगा कि क्षेत्र की जल समस्या का समाधान कब तक हो सकेगा। क्षेत्रीय किसान एवं पेयजल की समस्या से जूझ रही जनता अब ईश्वर की ओर आस लगाए हुए हैं। कब होगी बारिश और कब भरेगा यह बांध।

यूपी के 15 जिलों में मानसून सक्रिय, तेज बारिश की संभावना

» (एजेंसी)

आगरा। । यूपी में मानसून पूरी तरह सक्रिय दिख रहा है। मौसम विभाग ने 15 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी कर दिया। राज्य में मानसून शुरू होने के बाद से अब तक 559.2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो कि औसत अनुमान 588.3 मिमी होनी थी लेकिन उससे कम है। इस बीच मौसम विभाग ने बताया कि इस दौरान कई शहरों में बादल छाए रहेंगे। तो वहीं 15 जिलों में मामूली बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने नेपाल से सटे महाराजगंज और गोरखपुर जिले में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया हैं। उत्तर प्रदेश में मौजूदा समय में मानसून पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेगा अवध क्षेत्र में सक्रिय है। मानसून सक्रिय शहरों में मेरठ, गौतम बुद्ध नगर, बरेली, पीलीभीत, हाथरस, आगरा, मैनपुरी, लखनऊ, कानपुर, कानपुर (देहात), फुरसतगंज, फतेहपुर, प्रयागराज, झांसी, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बहराइच, लखनऊ और मऊ के साथ ही बलिया वाराणसी में भी मौसम बना हुआ है। सोमवार और मंगलवार को तराई क्षेत्रों में को ज्यादा बारिश होने की संभावना है। यूपी के रायबरेली, अमेठी, अयोध्या, सुल्तानपुर, बाराबंकी, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर और लखनऊ में बारिश होने के आसार हैं।

विशाल पत्रकार सम्मान समारोह बना इटावा का ऐतिहासिक कार्यक्रम

» (एजेंसी)

मैनपुरी। इलेक्ट्रॉनिक एंड प्रिंट मीडिया वेलफेयर एशोसिएशन भारत के बैनर तले इटावा में आयोजित किये गए विशाल पत्रकार सम्मान समारोह में आज 12 जिलों के 200 वरिष्ठ पत्रकारों को पगड़ी,अंगवस्त्र, पुष्पहार,प्रतीक चिन्ह व गीता भेंट कर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम हमेशा इटावा की धरती पर एक ऐतिहासिक कार्यक्रम के रूप में जाना जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध सन्त अनिल गुरु जी एवं इलेक्ट्रॉनिक एंड प्रिंट मीडिया वेलफेयर एशोसिएशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार जी ने स्वयं सभी पत्रकारों को पगड़ी, पुष्पहार, अंगवस्त्र, एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार जी ने कहा कि हमारे संगठन का। उद्देश्य पत्रकारों पर हो रहे अत्याचारों को रोकना व मुसीबत में फंसे पत्रकरों की मदद करना है। उन्होंने कहा यदि हमारे संगठन के किसी भी पदाधिकारी या सदस्य के साथ कोई अन्याय होता है तो हैं दिल्ली से 200 लोगों की टीम के साथ अपने उस पत्रकार के साथ खड़े होंगे। हम अपने अपने संगठन के किसी भी पदाधिकारी के साथ अन्याय हरगिज बर्दास्त नही करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन के प्रदेश प्रभारी सुघर सिंह, जिलाध्यक्ष इटावा पुष्पराज, मीडिया प्रभारी प्रशि कान्त उर्फ संन्दीप गौतम, राजीव यादव, विनीत कुमार, अनुज गॉड, विमल दिवाकर, अनिल चौधरी, डॉ अखिलेश गौतम, अवनीश कुमार,रिंकू तिवारी, सन्दीप भदौरिया, पवन सिंह एवं अन्य सभी साथियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जानी मे पूर्व ब्लाक प्रमुख के बेटे की गोली मारकर हत्या

» '(एजेंसी)

मेरठ। एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने बताया है कि प्रथमदृष्टया रंजिश के चलते हत्या होना प्रतीत हो रहा है, जांच जारी है। बताया गया कि विकेंद्र दो माह पहले जेल से जमानत पर बाहर आया था। विकेंद्र की हत्या के बाद गांव में दहशत का माहौल है। मेरठ में हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा है। इन हत्याओं से मेरठ दहला हुआ है। मंगलवार सुबह लगभग 10:00 बजे थाना जानी क्षेत्र के बाफर गांव निवासी एक युवक की उसके घर मे ही गोली मार हत्या कर दी। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना से गांव में सनसनी मच गई। पुलिस हत्या का कारण आपसी रंजिश मानकर हत्याकांड की जांच कर रही है। बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह बाफर गांव निवासी विकेंद्र उर्फ गौरी(40 वर्ष) घर में बैठकर चाय पी रहे थे। तभी दो अनजान युवक विकेंद्र के पास पहुंचे। विकेंद्र ने दोनों को चाय पिलाई बताया जाता है कि उसके बाद दोनों युवकों ने विकेंद्र के सीने पर पिस्टल निकाल कर गोली मार दी। खून से लथपथ विकेंद्र जमीन पर गिर गया और उसके बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। गोली चलने की घटना से गांव में अफरातफरी मच गई। गोली की आवाज सुनकर परिजन बाहर आए तो देखा कि विकेंद्र जमीन पर खून से लथपथ पड़ा हुआ है। उसको लेकर परिजन निजी अस्पताल पहुंचे जहां पर उसको मृत घोषित कर दिया। विकेंद्र की हत्या चार साल पहले हुए एक हत्याकांड से इस घटना को जोड़कर देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों बदमाश खुद को घिरता देखकर बाइक छोड़कर पैदल ही फायरिंग करते हुए फरार हो गए। एसएसपी व एसपी देहात समेत कई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने बताया है कि प्रथमदृष्टया रंजिश के चलते हत्या होना प्रतीत हो रहा है, जांच जारी है। बताया गया कि विकेंद्र दो माह पहले जेल से जमानत पर बाहर आया था। विकेंद्र की हत्या के बाद गांव में दहशत का माहौल है। मेरठ में दिन-प्रतिदिन हत्याओं का ग्राफ बढ़ रहा है जिसकी वजह से लोग दहशत मैं है।

एस जे डी पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट एवं एस जे डी पब्लिक स्कूल में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन

» (एजेंसी)

मैनपुरी। शहर के राजा के बाग स्थित एस जे डी पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट एवं एस जे डी पब्लिक स्कूल में संयुक्त रूप से विद्यालय परिवार द्वारा कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय में मुख्य अतिथि के स्वरूप में प्रो जेड्ट एसड्टसिंह (कानून विभाग अध्यक्ष)। जब हर व्यक्ति शिक्षित होगा, तभी देश का विकास उच्च पायदान पर होगा। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य लोकेंद्र पाल द्वारा सॉल उड़ाकर, माला पहनाकर एवं मां सरस्वती का चित्र भेंट स्वरूप प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर श्रीमती चंद्रवती, शिवपाल यादव, डॉक्टर जय सिंह, नीतू, कंचन, मधु, दामिनी, संतोष श्रीवास्तव, अजय, विनय, दुर्गा आदि रहे।

लखनऊ में बनेगी ब्रह्मोस मिसाइल, पांच हजार को मिलेगा रोजगारः राजनाथ

लखनऊ, एजेंसी। रक्षा मंत्री एवं उप्र की राजधानी लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ देश में नंबर वन कैसे बने बस मैं यही चाहता हूं। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमने तय किया है कि ब्रह्मोस मिसाइल लखनऊ में बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुमान लगाया है कि इससे पांच हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। हमने लखनऊ में हर घर में पीएनजी गैस उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। हमारा लक्ष्य लखनऊ को नंबर एक शहर बनाना है और मेरे सभी प्रयास उसी के लिए समर्पित हैं। कार्यक्रम के दौरान 396 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास तथा 1314 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ राजधानी में 1710 करोड़ की 180 योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर अपने सम्बोधन में रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि अगर योगी आदित्यनाथ यूपी के सीएम नहीं होते तो मैं लखनऊ में इतना काम नहीं कर पाता। दो दिन पहले तमिलनाडु में योगी के कामकाज की तारीफ सुनकर दिल गदगद हो गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हिंदुस्तान में 90 फीसद परिवार केंद्र की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। यातयात की दृष्टि से यूपी सबसे बेहतर हो यही हमारा सपना है। लोगों को आवागमन में किसी तरह की दिक्कत न हो। तेजी से आबादी और वाहन बढ़े हैं। इसके लिए सड़कों और पुलों का जाल फैलाया जा रहा है। 2022 अक्टूबर तक पूरी रिंग रोड बनकर तैयार हो जाएगी। इसमें थोड़ी सी देरी हो गयी है। उन्होंने कहा कि बस योगी जी अपने तेवर में हो जाये तो यह सब संभव है।

जन्माष्टमी पर जनपद के कार्यक्रमों में मची रही है,धूम

» (एजेंसी)

एटा। जनपद में बडे ही धूमधाम से मनाई गयी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी खूब झांकियां सजी और जमकर धार्मिक आयोजन हुए जनपद के वो कार्यक्रम स्थल जिन्हें श्रद्धालुओं ने खूब पसंद किया। शहीद पार्क में संयुक्त प्रेस क्लब के मनोरंजक कार्यक्रम पर झूमे श्रद्धालू, सोमवार को जिला मुख्यालय पर शहीद पार्क स्थित त्रम्बकेश्वर महादेव मन्दिर पर संयुक्त प्रेस क्लब द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण का केन्द्र वहां लगने वाली भगवान श्रीकृष्ण, भगवान शिव, माता दुर्गा, माता काली, एवं शनि महाराज की आकर्षक झांकी एवं बाहर से आये कलाकारों द्वारा शिव तांडव, राधा-कृष्ण का मधुर नृत्य, फूलों की होली, व शिव द्वारा जलती आग पर नृत्य, मुंह से आग जलाकर सभी दर्शकों एवं आयोजको का मन मोह लिया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुनील मिश्रा ने कहा कि सभी साथियों द्वारा शहीद पार्क में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (जन्मोत्सव) बीते चार वर्षों से मनाया जा रहा है यह झांकी जिला मुख्यालय पर लगने वाली झांकियों में सबसे अधिक भीड़ वाली झांकी है। इसे सभी पत्रकार साथियों द्वारा मिल कर मनाया जाता है। कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुनील मिश्रा महामंत्री प्रमोद लोधी व संयुक्त सचिव संदीप शर्मा एवं साथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम शाय 8 बजे से भगवान श्रीकृष्ण के जन्म 12 बजे तक चला अन्त मे सभी भक्तजनों ने आरती की तथा प्रसाद वितरण किया। संयुक्त प्रेस क्लब द्वारा श्रीकृष्ण के दर्शन को आने वाले भक्तों को फल व प्रसाद वितरण किया गया, मदिर में पूजा व प्रसाद वितरण की कमान डा० अरुण उपाध्याय व दुवे जी ने सम्हाली कोई भी भक्त बिना प्रसाद के खाली हाथ नहीं लौटा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनिल गुप्ता जिला संवाददाता दैनिक जागरण, अनिल मिश्रा अपना भारत, नारायण भास्कर एडवोकेट, कृष्ण प्रभाकर उपाध्याय सदस्य राज्य उपभोक्ता आयोग, नेत्रपाल सिंह चौहान, राजेश दीक्षित दैनिक सवेरा, आर वी दुवे एएनआई, अन्टू मिश्रा यूपी समाचार सेवा,अर्जुन मिश्रा, वीरेन्द्र गहलौत, नीतेश यादव,, रमाकांत तिवारी, मौहसिन मलिक, मनीष रंजन, प्रदीप वर्मा, शाहिल मोहसिह, तरुण दीक्षित, दीपक दीक्षित, शिवम, राज वर्मा, शुभ मिश्रा, अक्षित मिश्रा, आदित्य सक्सैना ,विष्णु दिवाकर, आदि पत्रकार व गणमान्य नागरिक व भक्त जन मौजूद रहे। रात्रि 8 बजे से ही मंदिर पर भक्तों व श्रध्दालु महिलाओं पुरूषों वृद्ध बच्चों की भारी भीड़ लगी रही।

बुखार को लेकर अलर्ट, मरीजों की होगी मलेरिया: डेंगू की जांच

» (एजेंसी)

एटा। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में अभी डेंगू के केस नहीं आए हैं। मलेरिया के मामले भी काफी कम हैं, लेकिन प्राइवेट नर्सिंग होम में मलेरिया और डेंगू के लक्षणों के मरीज लगातार मिल रहे हैं। इसको लेकर प्रत्येक सीएचसी-पीएचसी पर लक्षण वाले बुखार पीड़ितों की दोनों जांच कराने निर्देश दिए गए हैं। इन दिनों मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में प्रतिदिन 70 से 80 बुखार के रोगी पहुंच रहे हैं। कॉलेज में मलेरिया की जांच किट द्वारा हो रही है। इनमें से एक-दो लोगों को मलेरिया की पुष्टि हो रही है। जबकि डेंगू का अभी तक कोई मामला सामने नहीं आया है। दूसरी ओर नर्सिंग होमों में मलेरिया के तमाम रोगी भर्ती हैं। इतना ही नहीं निजी पैथॉलोजी लैब में प्रतिदिन डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। इसको लेकर सीएमओ डॉ. उमेश त्रिपाठी ने सभी सीएचसी-पीएचसी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि बुखार रोगियों की मलेरिया के साथ ही डेंगू की जांच भी किट के माध्यम से कराई जाए। वहीं प्रत्येक पीएचसी-सीएचसी पर अलग से मलेरिया वार्ड बनाने के निर्देश जारी किए हैं। संभावित डेंगू मरीज को करें कॉलेज रेफर सीएमओ ने प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि डेंगू का संभावित केस दिखे तो किट से उसकी जांच कर तत्काल मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाए। जिससे मरीज को डेंगू का उपचार मिल सके। लैब-नर्सिंग होम से मांगी सूचना सीएमओ ने जिले के सभी पैथॉलोजी लैब और नर्सिंग होम संचालकों को पत्र भेजकर निर्देश दिए हैं कि अगर किसी व्यक्ति में मलेरिया व डेंगू के लक्षण मिलें तो तत्काल उसकी सूचना उपलब्ध कराएं। जिससे उस क्षेत्र में कार्रवाई की जा सके।

पीतल के उत्पादों की खासियत जानेंगी राज्यपाल

» (एजेंसी)

एटा। जलेसर में पीतल के उत्पाद देश भर में मशहूर हैं। एक सितंबर को यहां प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का दौरा है। वह ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) योजना के तहत एक इकाई का निरीक्षण कर पीतल के उत्पादों की खासियत जानेंगी। इसके अलावा तहसील में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद और गांव करहला कासिमपुर पहुंचकर निरीक्षण करेंगी। राज्यपाल के कार्यक्रम को लेकर तीन दिन से जलेसर में तैयारियां चल रही हैं। हालांकि उस समय कार्यक्रम प्रस्तावित था, मंगलवार दोपहर बाद इसकी पुष्टि हुई।

तय किए गए कार्यक्रम के तहत राज्यपाल के दौरे में ओडीओपी इकाई का निरीक्षण खास रहेगा। कस्बा स्थित एक बड़ी इकाई में इसके लिए तैयारी की गई है। यहां राज्यपाल घुंघरू, घंटा के निर्माण कार्य और तैयार उत्पादों को देखेंगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह मैं 111 जोड़ों का कराया गया विवाह

» (एजेंसी)

मैनपुरी। आबकारी, मद्य निषेध मंत्री रामनरेश अग्निहोत्री ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के अन्तर्गत श्रीदेवी मेला पंडाल में 111 नव-दम्पत्तियों को उज्जवल भविष्य, सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की अनूठी योजना जिसमें गरीब परिवार की बेटियों की शादी वरिष्ठ अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी में संपन्न हो रही है, जिस बेटी की शादी के लिए गरीब मां-बाप को अपना घर, खेत बेचना पड़ता था अब उस बेटी की शादी भव्य समारोह में सरकारी खर्चे पर शान-ओ-शौकत से हो रही है, शादी की तैयारियों से लेकर विदाई तक का सारा इंतजाम अधिकारियों द्वारा सरकारी खर्चे पर किया जा रहा है, बेटी की शादी का बोझ मां-बाप के सर से समाप्त कर सरकार ने अपने ऊपर लिया है, उन्होंने कहा कि एक ही मंडप के नीचे वैदिक रीति रिवाज से हिंदू बेटियों की शादियां हो रही है वहीं दूसरी ओर मुस्लिम बेटियों की शादी के निकाह की रस्म भी अदा की जा रही है, जो राष्ट्रीय एकता की मिसाल है। जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह ने नव-दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ें, प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी कर उनका लाभ लें, अन्य पात्रों को भी योजनाओं का लाभ दिलाने में उनकी मदद करें। उन्होने कहा कि इस योजना के लागू होने के बाद से समाज में फैली कुरीतियों पर लगाम लगी है, दहेज प्रथा जैसी कुप्रथा भी प्रभावित हुयी है, आज गरीब परिवार अपनी बेटियों की शादी भव्य समारोह में कराकर गौरवान्वित महसस कर रहे हैं।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नव दंपतियों के साथ-साथ अन्य लोगों से कहा कि यदि किसी गरीब की बेटी शादी योग्य हो तो उसके लिए उसके परिजन वर ढूंढ ले और अपने ब्लॉक, नगर पालिका, नगर पंचायत में पंजीकरण करा लें, उनकी शादी भी भव्य समारोह में कराई जाएगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि आज आयोजित भव्य कार्यक्रम में एक ही मंडप में 111 जोड़ों की शादी हुयी, जहां एक और वैदिक रीति-रिवाज से 94 हिन्दू जोडों की शादी संपन्न हुई वहीं मुस्लिम परंपरा के अनुसार 17 जोडों के निकाह की रस्म अदा कराकर शादी करायी गयी। कार्यक्रम में राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज की बालिकाओं ने स्वागत गीत एवं जैक एंड जिल, अमन इंटरनेशनल के बच्चां ने नृत्य, देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय, मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार, अपर जिलाधिकारी बी.राम, अपर पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.पी.पी. सिंह, उप जिलाधिकारी घिरोर, भोगांव, रतन वर्मा, सुधीर कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर अभय राय, जिला पंचायत राज अधिकारी स्वामी दीन, प्रोबेशन अधिकारी अजय पाल सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका मनोरमा देवी, अध्यक्ष नगर पंचायत ज्योंति खुड़िया, ब्लॉक प्रमुख जागीर मनेश सिंह चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष अरविन्द तोमर, विशम्भर तिवारी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भानू प्रताप, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना एकता सिंह आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. इन्द्रा सिंह ने किया।

खांडेकर और केके सिंह रिटायर, एके शाह बने एसीएस

सेवानिवृत्त होने वाले दोनों आईएएस 1985 बैच के

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो वरिष्ठ अधिकारी मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए। ये दोनों अधिकारी वर्ष 1985 बैच के आईएएस हैं। इनमें दीपक खांडेकर और केके सिंह शामिल हैं। इन दोनों ही अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के बाद अशोक शाह प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग व संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान अतिरिक्त प्रभार को अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नत कर दिया गया है। पदोन्नति के बाद भी शाह का विभाग यथावत रखा गया है।

सेवानिवृत्त होने वाले दोनों आईएएस में दीपक खांडेकर 21 जून 2018 से केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर थे। वे 25 जनवरी 2021 से सचिव केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे थे। खांडेकर को मिलाकर मप्र कॉडर के कुल पांच अधिकारी केंद्र में सचिव जैसे पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, अब उनकी संख्या घटकर चार रह गई है। इधर मंगलवार को सेवानिवृत्त केके सिंह 24 मार्च 2020 से कृषि उत्पादन आयुक्त की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। साथ ही उनके पास चेयरमैन प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड का अतिरिक्त प्रभार भी था। खांडेकर के दिल्ली में पदस्थ रहने के कारण प्रदेश में अपर मुख्य सचिव का एक ही पद रिक्त हुआ। इस कारण इस पद पर शाह को पदोन्नत किया गया। अब अगले माह सितंबर मेंभारतीय

अगले माह रिटायर होंगे 1985 बैच के एक और अधिकारी

प्रशासनिक सेवा के वर्ष 1985 बैच के एक और अधिकारी राधेश्याम जुलानिया भी सेवानिवृत्त हो जाएंगे। जुलानिया लंबे समय से लूप लाइन में चल रहे हैं। दो मार्च 2021 से उन्हें मंत्रालय में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी बनाकर छोड़ दिया गया है। उन्हें कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं दी गई। माध्यमिक शिक्षा मंडल अध्यक्ष रहते उनका स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव रश्मि अरूण शमी से विवाद हो गया था। इस विवाद में श्रीमती शमी भारी पड़ी थी। विवाद के घटनाक्रम में मुख्यमंत्री की नाराजगी जुलानिया को भारी पड़ी थी। तब उन्हें अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था और उन्हें ओएसडी बना दिया गया था। तब से वे लगातार हाशिए में ही बने हुए हैं।

आईपीएस मकवाना स्पेशल डीजी के पद पर हुए पदोन्नत

भोपाल । पुलिस मुख्यालय में अपराध अनुसंधान विभाग सीआईडी में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना को शासन ने पदोन्नत कर विशेष पुलिस महानिदेशक (स्पेशल डीजी) बनाने के आदेश जारी किए है। मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार श्री मकवाना पदोन्नति के बाद सीआईडी, पुलिस मुख्यालय में ही विशेष पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्य करते रहेंगे। गौरतलब है कि कैलाश मकवाना 1988 बैच के पुलिस अधिकारी है, उन्हें पुलिस विभाग में कई पदों पर रहकर कार्य करने का अनुभव है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रणब मुखर्जी को किया नमन

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रणब मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर श्योपुर विधायक सीताराम आदिवासी भी उपस्थित थे। पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रणब कुमार मुखर्जी का जन्म 11 दिसंबर 1935 में पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले में हुआ। वे भारत के तेरहवें राष्ट्रपति थे। उन्होंने 25 जुलाई 2012 को भारत के तेरहवें राष्ट्रपति के पद और गोपनीयता की शपथ ली। उन्हें 26 जनवरी 2019 को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। श्री प्रणब मुखर्जी ने द कोलिएशन ईयर्स: 1996-2012 पुस्तक भी लिखी। उन्होंने प्रमुख आर्थिक और रणनीतिक मंत्रालयों में लंबे समय तक योगदान दिया। श्री मुखर्जी अपने शुरुआती जीवन में वकालत और अध्यापन कार्य सहित पत्रकारिता के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे। उनका निधन दिल्ली में 31 अगस्त 2020 को हुआ।

गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने पश्चिम-क्षेत्र पुलिस को ऑर्डिनेशन पुलिस कमेटी की बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में मध्यप्रदेश के अतिरिक्त राजस्थान,गुजरात,महाराष्ट्र,गोवा और दमन-दीप के पुलिस-महानिदेशक शामिल हुए।

नक्सल समस्या और साइबर अपराध पर राज्यों के बीच गहन चर्चा

समिति की बैठक का गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने किया शुभारंभ

भोपाल (एजेंसी)। मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में नक्सल समस्या, महिला संबंधी अपराध, अवैध शराब एवं हथियार, साइबर अपराध तथा सीसीटीएनएस में नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रजेंटेशन एवं विचार-विमर्श हुआ। विचार-विमर्श बैठक में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और गोवा के पुलिस महानिदेशक तथा दमन-दीव एवं दादर नगर हवेली के उप पुलिस महानिरीक्षक शामिल हुए। पश्चिम क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति की 8 वीं बैठक का वर्चुअल शुभारंभ गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने किया और बैठक की अध्यक्षता पुलिस महनिदेशक विवेक जौहरी ने की।

वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक सम्मेलन की अनुशंसा के अनुपालन में राज्यों के मध्य पुलिस समन्वय के लिए भारत सरकार द्वारा देश के संपूर्ण राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को पांच ग्रुपों में विभाजित किया गया। उनमें से एक ग्रुप पश्चिम क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति है, जिसमें मध्यप्रदेश सहित पांच राज्य एवं एक केंद्र शासित प्रदेश शामिल है। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध अनुसंधान विभाग, गुप्तवार्ता, साइबर, महिला अपराध, एससीआरबी, एसटीएफ और ज्वाइंट डायरेक्टर, इंटेलिजेंस ब्यूरो मप्र उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सड़क हादसे में प्रदेश के 12 लोगों की मौत पर जताया शोक

भोपाल, (रासं)। राजस्थान में हुए सड़क हादसे में प्रदेश के 12 लोगों की मौत पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, संगठन महामंत्री सुहास भगत एवं सह संगठन महामंत्री हितानंद ने शोक जताया है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने दुर्घटना में हुई मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान में हुई एक सड़क दुर्घटना में मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के कई नागरिकों की मौत की दु:खद खबर मिली। ईश्वर दिवंगतों की आत्मा को शांति दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति दें। श्री शर्मा ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। श्री शर्मा ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता एवं घायलों के उपचार का खर्च प्रदेश सरकार द्वारा उठाए जाने संबंधी घोषणा के लिए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का आभार प्रकट किया है।

कैबिनेट में हुआ निर्णय: प्रदेश में अब संचालित होगा नवभारत साक्षरता कार्यक्रम

110.84 करोड़ के खर्च से 32.60 लाख लोग किए जाएंगे साक्षर

15 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षरों के लिए प्रदेश में चलेगा अभियान

- विवेक सागर प्रसाद अब डीएसपी
- केंद्र सरकार देगी 60 फीसदी मदद

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में अब 32 लाख 60 हजार से अधिक 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे लोग जिनको अभी अक्षर ज्ञान नहीं है। वे अब साक्षर होंगे। अब स्कूली बच्चों की तरह ऐसे लोग अ, ब, स सीखेंगे, जिससे कि उन पर निरक्षर होने का दाग सदा के लिए हट सके। राज्य सरकार प्रदेश में अगले पांच वर्ष के दौरान ऐसे लोगों को साक्षर बनाएगी। इनको साक्षर बनाने में 110 करोड़ 84 लाख रुपए से अधिक की राशि खर्च होगी। इस कार्यक्रम के लिए केंद्र सरकार 60 और राज्य सरकार 40 फीसदी राशि का योगदान देगी।

कैबिनेट ने प्रदेश में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को संचालित करने की मंजूरी दे दी है। प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने के लिए मार्च 2026 तक नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम प्रदेश के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को जो औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाए एवं औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने की उम्र पार कर चुके हैं। उनकी निरक्षरता उन्मूलन के लिए संचालित किए जा रहे हैं।

प्रदेश में साक्षरता कार्यक्रम राज्य, जिला एवं विकासखंड में समग्र शिक्षा अभियान शिक्षा विभाग में कार्यरत अमले से कार्य संपादन कराया जाएगा। साथ ही असाक्षरों को साक्षर करने में जिन संस्थाओं-व्यक्तियों का सहयोग लिया जाएगा, उनको अक्षर साथी कहा जाएगा। अक्षर साथियों द्वारा स्वयं की इच्छा से साक्षरता कक्षाएं संचालित की जाएगी। इसमें असाक्षरों को बुनियादी एवं कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करवाई जाएगी। इस कार्य के लिए किसी भी प्रकार का पारिश्रमिक-मानदेय का भुगतान नहीं किया जाएगा। साक्षरता कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की नियमित नियुक्ति नहीं की जाएगी।

विवेक सागर को उप पुलिस अधीक्षक पद पर नियुक्ति

कैबिनेट ने विवेक सागर के डीएसपी बनने का रास्ता भी साफ कर दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के अनुपालन में ओलिंपिक हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद को उप पुलिस अधीक्षक जीडी के सीधी भर्ती के रिक्त पद पर सशर्त विशेष नियुक्ति प्रदान करने का निर्णय लिया है। विवेक सागर उसभारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे हैं, जिसने टोक्यो ऑलंपिक में कांस्य पदक जीता है। उन्होंने बेहतरीन खेल से भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

प्रदेश में चार औद्योगिक पार्क विकसित होंगे, 34 सौ करोड़ का निवेश होगा व 4 हजार को मिलेगा रोजगार

128.65 करोड़ की लागत से विकसित होगा पार्क

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश में 128 करोड़ 65 लाख की लागत से 4 नए औद्योगिक पार्क विकसित होंगे। इसमें बहुउत्पाद औद्योगिक पार्क मोहना, रतलाम, जावरा और कटनी लमतरा शामिल है। औद्योगिक क्षेत्र विकास करने की योजना के क्रियान्वयन से नए उद्योगों की स्थापना के लिए लगभग 3400 करोड़ का निवेश और 4 हजार व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा।

कैबिनेट ने मंगलवार को इस संबंध में पेश उद्योग विभाग के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। कैबिनेट ने मप्र जल निगम मर्यादित की संरचना के सुदृढ़ीकरण एवं 4 नई परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों गुना, सिंगरौली, मंदसौर तथा नीमच के गठन की स्वीकृति दी। प्रत्येक नई परियोजना क्रियान्वयन इकाई के लिए 17 पद के मान से 68 नए पद तथा जल निगम मुख्यालय की संरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए 24 नए पद, इस प्रकार कुल 92 नए पदों का सृजन करने की स्वीकृति दी। वर्तमान में जल निगम द्वारा विभिन्न जिलों में 14135 करोड़ लागत की 40 समूह जल-प्रदाय योजनाओं के क्रियान्वयन का कार्य प्रगतिरत हैं। इन योजनाओं से 10 हजार 294 ग्रामों को लाभांवित किया जाना लक्षित है।

यह निर्णय भी लिये

- ग्रीष्मकालीन वर्ष 2020-21,विपणन वर्ष 2021-22 में मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए पंजीकृत कृषकों से राज्य उपार्जन एजेंसी मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ द्वारा करने का निर्णय ।
- प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के संचालन और वर्ष 2017-18,2018-19 और 2019-20 में निरंतर रखने का अनुमोदन।

ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खरीदी होगी 15 सितंबर तक

मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ पंजीकृत कृषकों से उपार्जन के लिए अधिकृत

भोपाल (एजेंसी)। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खरीदी को मंत्रि-परिषद से हरी झंडी मिलने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है।

कृषि मंत्री ने किसानों के हित में केंद्र सरकार द्वारा खरीदी के लिए दी गई मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का प्रदेश के किसानों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि ग्रीष्मकालीन वर्ष 2020-21 एवं विपणन वर्ष 2021-22 के लिए पंजीकृत कृषकों से फसल उपार्जन के लिए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ को अधिकृत किया है। श्री पटेल ने बताया कि इन फसलों का उपार्जन आगामी 15 सितंबर तक किया जाएगा। श्री पटेल ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में ग्रीष्मकालीन वर्ष 2020-21 एवं विपणन वर्ष 2021-22 में भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएमआशा) अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) एवं मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) में उपार्जन के लिए मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि अब तक समर्थन मूल्य पर 3 लाख 29 हजार मीट्रिक टन ग्रीष्मकालीन मूंग का उपार्जन किया जा चुका है।

सीएम आज आगर- शाजापुर- नीमच सौर पार्क के चयनित विकासकों को देंगे लैटर ऑफ अवार्ड

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक सितंबर को सुबह 10 बजे मिंटो हॉल में आगर-शाजापुर-नीमच सौर पार्क के चयनित विकासकों को लैटर ऑफअवॉर्ड देंगे।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर विशिष्ट अतिथि होंगे। चयनित विकासकों मेंअ वाडा पॉवर, बीमपॉव एनर्जी, तलेटटुताई सोलर प्रोजेक्ट, टीपी सौर्या लिमिटेड मुंबई और अल जोमेह एनर्जी एंड वॉटर कंपनी दुबई शामिल हैं। रिवर्स बिडिंग में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की 15 कंपनियों ने भाग लिया। मंत्री डंग ने बताया कि देश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना में मप्र लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हाल ही में 1500 मेगावॉट की आगर-शाजापुर-नीमच सोलर पार्क के लिए हुई बिडिंग में देश में सबसे कम सोलर टैरिफका रिकॉर्ड बना है। इन परियोजनाओं की स्थापना से प्रदेश में तकरीबन 5250 करोड़ का निजी निवेश होगा। यही नहीं राज्य डिस्कोम कंपनी को 25 वर्षों में लगभग 7600 करोड़ की बचत होगी। राज्य शासन द्वारा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटित कर दी गई है और मार्च 2023 तक उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित है।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफे को लेकर कोई शिकवा-शिकायत नहीं : वानखेड़े

भोपाल (एजेंसी)। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आगर विधायक विपिन वानखेड़े ने अपना पद छोड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि इसको लेकर कोई शिकवा शिकायत और नाराजगी नहीं है। वह लंबे समय से एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष बने हुए हैं और वे चाहते हैं कि अब नए युवाओं को मौका दिया जाना चाहिए, इसको लेकर प्रक्रिया जारी है और भोपाल में गत दिनों इंटरव्यू भी हो चुके हैं, विपिन वानखेड़े का कहना है कि वह खुद चाहते हैं कि अब नए युवाओं को अवसर मिले।

मप्र एनएसयूआई ने दिया स्पष्टीकरण

मध्यप्रदेश एनएसयूआई की और से इस मामलें मे स्पष्टीकरण दिया गया है कि नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसमें विधायक एवं एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विपिन वानखेड़े की पूर्ण रूप से सहमति एवं समर्थन है और विपिन वानखेड़े की स्वयं की सोच है की नए युवा साथियों को अवसर मिलना चाहिए, किंतु विपिन वानखेड़े ने अभी पद से इस्तीफा नहीं दिया है कृपया आप सभी सोशल मीडिया में चल रहीं इस्तीफे की अफवाहों से गुमराह न हों।

सागरताल को पर्यटन स्थल बनाने मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री से आग्रह

प्रदेश के सिंचाई मंत्री, ग्वालियर के प्रभारी मंत्री एंव ऊर्जा मंत्री से भी किया निवेदन

भोपाल (एजेंसी)। सिंधिया राजघराने के समय के ग्वालियर स्थित सागरताल को पर्यर्टन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कांग्रेस के नेता पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं प्रदेश के सिचाई मंत्री एवं ग्वालियर के प्रभारी मंत्री एवं ऊर्जा मंत्री से आग्रह किया है। श्री यादव ने एक हजार साल पुराने इस ताल की साफ-सफाई कराकर बगीचा लगवाने, ताल में बोट्स डलवाने तथा उसे पर्यटल स्थल के रूप में विकसित करने के बारे मे इन नेताओं से आग्रह किया है। गौरतलब है कि श्री यादव ने 25 वर्ष पूर्व इस ताल की साफ-सफाई कराई थी और तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया को ज्ञापन देकर इसे पर्यटन स्थल का रूप देने का निवेदन किया था।

पीसीसी चीफ 4 सितंबर को करेंगे जिला प्रभारियों के साथ बैठक

अभी तक जिले में जाकर क्या किया इसका लेंगे फीडबैक

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार भले ही अपनों की नाराजगी को दूर न करने से चली गई हो, लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस में फिलहाल सुधार होता नहीं दिख रहा है। अभी भी जिलाध्यक्ष अपने हिसाब से काम कर रहे हैं, जबकि उनको लेकर कई बार शिकायतें हो चुकी हैं, लेकिन बदलाव के संकेत फिलहाल नहीं दिख रहे है। अब कमलनाथ 4 सितंबर को जिलों के बनाएं गए प्रभारियों की बैठक लेकर उनसे संगठन को लेकर जानकारी ले सकते हैं।

ग्वालियर में कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने ग्वालियर पूर्व विधानसभा की विभिन्न समस्याओं को लेकर आंदोलन करने के लिए बुधवार को एक बैठक बुलाई है और उसमें तय किया जाएगा कि कांग्रेस कार्यकर्ता किस तरह से आंदोलन कर भाजपा सरकार पर दवाब बनाएं। वैसे यह काम शहर कांग्रेस का है, लेकिन इस काम को विधायको ने अपने हाथ में ले लिया है।

मप्र के मूल निवासी जस्टिस जीतेंद्र कुमार महेश्वरी बने सुप्रीम कोर्ट के जज

अपनी अलग कार्य शैली और ऐतिहासिक फैसलों के लिए जाने जाते हैं जस्टिस माहेश्वरी

हाईकोर्ट के पूर्व जज लाहोटी भी करते थे तारीफ

भोपाल (एजेंसी)। यूं तो मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में अन्य प्रदेशों के 9 नए जजों ने शपथ ग्रहण की, लेकिन यह शपथ ग्रहण समारोह सूबे(मध्य प्रदेश)के लिए खास रहा। दरअसल प्रदेश के मुरैना जिले की जौरा तहसील के गौरव जे के माहेश्वरी ने भी सुप्रीम कोर्ट में जज के रूप में शपथ ली। श्री माहेश्वरी की शख्सियत के बारे में बात की जाए तो बेहद मिलनसार और मृदभाषी हैं। वह जहां भी रहे अपनी अनूठी कार्यशैली के लिए पहचाने गए। अपने कार्यकाल में ऐतिहासिक फैसलों दिए। पेचीदा से पेचीदा मामलों की सुनवाई की और फैसलों में वैल्यू एड की है। श्री माहेश्वरी का यह सफर ग्वालियर की गणेश कॉलोनी से आरंभ हुआ था।

साधारण परिवार में जन्मे श्री माहेश्वरी बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और लगनसार व्यक्ति थे। इनकी लगन और मेहनत से हाईकोर्ट में पूर्व जज रहे आरसी लाहोटी इतने प्रभावित थे कि 1983 मैं इनके एलएलबी करने के बाद ही इन्हें अपने यहां लाहोटी चेम्बर से जोड़ लिया। श्री लाहोटी को आरंभ में ही यह एहसास हो गया था कि यह होनहार युवक जिंदगी में कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन करेगा। इसकी चर्चा वह अक्सर किया भी करते थे। श्री लाहोटी के उच्च न्यायालय में जज बनने के बाद श्री माहेश्वरी ने 1988 में श्री लाहोटी चेंबर से अलग कर सेल्फप्रेक्टिस शुरू की श्री महेश्वरी ने गणेश कॉलोनी के अपने एक छोटे से कमरे नुमा ऑफिस से अपनी वकालत की शुरुआत की थी।

जिस कॉलेज में पढ़े अटलजी, उसी के छात्र रहे माहेश्वरी

मुरैना जिले की जौरा तहसील में 29 जून 1961 को श्री माहेश्वरी का जन्म स्व. सूरज मल माहेश्वरी के यहां हुआ। उनकी माता श्रीमती मोहन प्यारी माहेश्वरी हैं, जिनका साया और आशीर्वाद श्री माहेश्वरी पर हमेशा बना रहा, वे अपने चार भाईयों में सबसे छोटे हैं। सबसे बड़े भाई कौशल कुमार माहेश्वरी जो कि जौरा के वरिष्ठ वकील थे, जिनका स्वर्गवास हो चुका है। दूसरे नंबर पर विष्णु कुमार माहेश्वरी और तीसरे नंबर पर डॉ. रवि कुमार माहेश्वरी हैं, जिन्होंने भाई के साथ- साथ एक अच्छे दोस्त का भी रोल निभाया है। श्री माहेश्वरी की धर्म पत्नी उमा माहेश्वरी है, जिन्होंने घर की जिम्मेदारियां उठाते हुए हर कदम पर पूरा साथ दिया। बेटे मनु माहेश्वरी जो एक काबिल वकील है और वर्तमान में इंदौर हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे हैं और बेटी दीक्षा माहेश्वरी कॉम्पिटेटिव एग्जाम की तैयारी कर रही है। महेश्वरी ने ग्वालियर के ऐतिहासिक महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज से बीए एलएलबी 1980 में किया है, इसी कॉलेज से देश के प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने भी शिक्षा ग्रहण की थी ।

हाईकोर्ट में रात 8 बजे तक करते थे काम

माहेश्वरी अपनी योग्यता, कड़े परिश्रम, ईमानदारी और तीक्ष्ण बुद्धि के बल पर 25 नवंबर 2005 को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में जज बने। यहां भी इनके काम करने का अंदाज अलग ही नजर आया। रात 8 बजे तक एक-एक दिन में सैकड़ों फाइलें डिस्पोज ऑफकरके सबसे अधिक और तेज काम करने वाले जजों की सूची में उनका नाम शामिल हो गया। आपके काम करने की शैली इतनी अधिक लोकप्रिय हुई कि सुप्रीम कोर्ट तक भी इनकी शैली की चर्चा होने लगी। इसके बाद 7अक्टूबर 2019 को आंध्र प्रदेश में चीफजस्टिस बने और 6 जनवरी 2021 को सिक्किम के चीफ जस्टिस बने। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए मंगलवार को जस्टिस माहेश्वरी को सुप्रीम कोर्ट के जज की कुर्सी तक पहुंचा दिया।

श्रद्धा कपूर-रोहन श्रेष्ठ की शादी की खबरों पर बोले शक्ति

एजेंसी। श्रद्धा कपूर और रोहन श्रेष्ठ की शादी को लेकर हाल ही में सुर्खियों का बाजार गर्म रहा है। लेकिन अब श्रद्धा कपूर के पिता शक्ति कपूर ने भी उनकी और रोहन श्रेष्ठ की शादी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। शक्ति कपूर ने बताया कि रोहन ने अभी तक उनसे उनकी बेटी का हाथ नहीं मांगा है। उन्होंने कहा, 'रोहन एक फैमिली फ्रेंड है। मैं उसके पिता को काफी सालों से जानता हूं। वह अकसर हमारे घर भी आता है, लेकिन अभी तक उसने मुझसे श्रद्धा का हाथ नहीं मांगा है। अगर ऐसा होता है तो मैं मना नहीं करूंगा। इसके अलावा आज कल तो बच्चे अपनी चीजें खुद से ही तय करते हैं। अगर श्रद्धा या फिर सिद्धांत खुद मुझसे आकर कहेंगे कि उन्होंने अपना जीवन साथी चुन लिया है तो मैं तुरंत ही मान जाउंगा। मैं क्यों इंकार करूंगा? लेकिन इन दिनों वे अपने-अपने करियर पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

अरमान ड्रग्स केसः अरमान कोहली के बाद ठउइ ने अब दो विदेशी पेडलर्स को किया गिरफ्तार, ड्रग्स भी बरामद

एजेंसी। ड्रग्स केस में गिरफ्तार हुए अभिनेता अरमान कोहली की कस्टडी को 1 सितंबर तक के लिए बढ़ा दिया गया है। सोमवार को पहले अरमान को विशेष ठऊढर कोर्ट में ड्रग पैडलर अजय राजू सिंह के साथ पेश किया गया था और उनकी एक दिन की रिमांड भी खत्म हो रही थी, जिसे बढ़ा दिया गया है। इस बीच एनसीबी ने अब इस मामले में मुंबई और नालासोपारा में 5 जगहों पर छापे मारे हैं। इस छापेमारी में ठउइ ने कुछ और ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ठउइ ने दो विदेशी ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया और ड्रग्स भी बरामद किया है। ये ड्रग पेडलर्स अरमान कोहली से पहले गिरफ्तार किए गए ड्रग पेडलर अजय सिंह को ड्रग्स सप्लाई करते थे।

रविवार को हुई थी अरमान कोहली की गिरफ्तारी

मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ठउइ) के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने दावा किया था कि अरमान ड्रग्स के अलावा कुछ अन्य गंभीर मामले में भी आरोपी हैं। अरमान कोहली को उनके घर से कोकीन बरामद होने के बाद रविवार को ठउइ ने गिरफ्तार किया था। हालांकि, ठउइ ने उनके घर पर कई घंटे की छापेमारी के बाद शनिवार को ही हिरासत में ले लिया था। कोहली के खिलाफ एनडीपीएस की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया। कोहली के खिलाफ यह कार्रवाई शुक्रवार को टीवी कलाकार गौरव दीक्षित की ठउइ द्वारा की गई गिरफ्तारी के बाद की गई थी।

ड्रग पैडलर ने लिया था कोहली का नाम

एनसीबी ने कोहली से पूछताछ का फैसला ड्रग्स के मुख्य विक्रेता अजय राजू सिंह से शनिवार को हिरासत में लेकर की गई पूछताछ के दौरान हुए कुछ ह्यखुलासोंह्ण के बाद किया। उसे हाजी अली के पास पकड़ा गया और उसके पास से 25 ग्राम एमडी ड्रग्स मिला था। उसके खिलाफ वर्ष 2018 में मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने भी मामला दर्ज किया था, तब उसके पास से बड़ी मात्रा में एफेड्रिन मिली थी।

कोहली का दक्षिण अमेरिका कार्टल कनेक्शन

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि कोहली के घर से मिला कोकीन का उत्पादन दक्षिण अमेरिका में हुआ है। एनसीबी उस रास्ते और उन कड़ियों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है जिसके जरिये जब्त कोकीन मुंबई पहुंचा।

ड्रग्स मामले में गिरफ्तार टीवी कलाकार गौरव दीक्षित की एनसीबी की हिरासत भी आज खत्म हो रही है। उन्हें भी कोहली के साथ आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

उनको एनसीबी ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया था जहां शनिवार को कोर्ट ने दीक्षित को आज तक की एनसीबी हिरासत में भेज दिया था।

शर्लिन चोपड़ा ने शिल्पा शेट्टी पर किया वार, बोलीं- पीड़ित लड़कियों के लिए सिंपैथी दिखाएं गलतियों को मानने से कोई छोटा नहीं होता

एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को पिछले महीने पोर्न फिल्म बनाने और इसे अपनी हॉटशॉट नाम की एप में रिलीज करने के आरोप में मुबंई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसके बाद से शर्लिन चोपड़ा ने राज के खिलाफ लगातार कई आरोप लगाए, उसमें उन्होनें कहा कि राज पहले ग्लैमरेस वीडियो बनाना चाहते थे, लेकिन बाद में उन्होंने उसे न्यूडिटी और एडल्ट कंटेंट शिफ्ट पर कर दिया था।

शर्लिन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया वीडीयो

शर्लिन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगभग दो मिनट से ज्यादा का एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें शर्लिन ने शिल्पा से राज कुंद्रा के मामले में अपनी गलती मानने को कहती नजर आ रही हैं।

समांथा ने चैतन्य से बिगड़ते रिश्ते के कयासों पर लगाया विराम

एजेंसी। साउथ फिल्म एक्ट्रेस समांथा अक्किनेनी ने आखिरकार अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर से 'अक्किनेनी' सरनेम को हटाने को लेकर शुरू हुए विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा है कि ह्यमैं इन सब बातों पर रिएक्ट नहीं करना चाहती। मुझे विवाद पसंद नहीं। जैसे बाकी लोग अपने विचार रखने के लिए आजाद हैं वैसे ही मैं भी हूं।' दरअसल समांथा ने कुछ दिनों पहले अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर अपने नाम में बदलाव कर दिया था। समांथा ने न सिर्फ अक्किनेनी सरनेम हटा दिया बल्कि अपने नाम का भी सिर्फ इनीशियल वर्ड 'S' कर दिया था। एक्ट्रेस के इस कदम से हर कोई हैरान था। लोग कयास लगा रहे थे कि क्या नागा चैतन्य और सामंथा अक्किनेनी के रिश्ते में खटास आ गई है। समांथा और नागा ने 2010 में फिल्म ये माया चेसावे में साथ काम किया था। दोनों ने जनवरी 2017 को हैदराबाद में सगाई की थी और 6 अक्टूबर 2017 को गोवा में शादी की और अक्किनेनी परिवार की सदस्य बन गईं। तब से वह अपने नाम के साथ अक्किनेनी लगा रही थीं।

रश्मिका मंदाना ने पूरी की मिशन मजनू की शूटिंग

एजेंसी। रश्मिका मंदाना 'मिशन मजनूं' से बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा भी हैं। प्रोड्यूसर अमर बुटाला ने रश्मिका की जमकर तारीफ की। अमर ने कहा कि रश्मिका ने 'मिशन मजनू' को एक अविश्वसनीय यात्रा बना दिया है। रश्मिका ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। रश्मिका इस जासूसी थ्रिलर मूवी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी दिखाई देंगी जो एक रॉ एजेंट की यात्रा बताती है। वे पाकिस्तानी धरती पर भारत के गुप्त ऑपरेशन का नेतृत्व करती दिखेंगी। उनके कोस्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करते हुए उनकी तारीफ की।

नागार्जुन के बर्थडे पर फैंस को मिला तोहफा

एजेंसी। साउथ सुपरस्टार नागार्जुन की अपकमिंग फिल्म 'द घोस्ट' का दमदार फर्स्ट लुक पोस्टर निमार्ताओं ने एक्टर के 62वें बर्थडे के दिन रिलीज कर दिया है। पोस्टर में नागार्जुन अक्किनेनी खून से सनी तलवार हाथों में लिए दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में किंग का क्रूर रूप रोंगटे खड़े कर रहा है। इस फिल्म के निर्देशक प्रवीण सतारू है। फिल्म के पोस्टर में घोस्ट के 'O' लेटर को राइफल के लुक के साथ पेश किया गया है। द घोस्ट में लीड एक्ट्रेस काजल अग्रवाल हैं। घोस्ट के अलावा अपने बेटे नागा चैतन्य के साथ फिल्म बंगाराजू में भी दिखने वाले हैं। इसके अलावा नागार्जुन, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन स्टारर ब्रह्मास्त्र में भी नजर आएंगे। नागार्जुन आखिरी बार वाइल्ड डॉग में नजर आए थे।

एक्ट्रेस पर ED का शिकंजा

एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसती हुई नजर आ रही हैं। रिपोर्टस के अनुसार दिल्ली में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) के अधिकारी उनसे लगातार पिछले पांच घंटे से पूछताछ कर रहे हैं। यह मामला कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है, जिन पर हाल ही में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज हुआ है। हालांकि ईडी ने अभी तक अपनी तरफ से मामले से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी है।

बता दें कि, एक्ट्रेस कुछ महीने पहले ही अपने नए मकान में शिफ्ट हुई हैं मीडिया रिपोट्स के मुताबिक उनके जुहू स्थित घर की कीमत 175 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

अक्षय कुमार की फिल्म बेल बॉटम फैंस को आई पसंद, पहले दिन किया इतने करोड़ का बिजनेस

एजेंसी। हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म बेल बॉटम फैंस को काफी पसंद आ रही है ।अक्षय की इस फिल्म ने सिनेमा हॉल में पचास परसेंट क्षमता होने के बावजूद भी 20 करोड़ के करीब कमाई कर ली है। बॉक्स ऑफिस इंडिया . कॉम की रिपोर्ट की मानें तो शुक्रवार के दिन बेल बॉटम ने 7500000 रुपए कमाए हैं।

इसी के साथ ही अंदाजा लगाया जा रहा है कि अक्षय की यह फिल्म कमाई के मामले में जानवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म रूही के रिकॉर्ड तोड़ने वाली है ।अगर ऐसा होता है तो बेल बॉटम साल 2021 में बॉक्स ऑफिस पर अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी।

बात करें फिल्म के बारे में तो यह एक देश भक्ति पर बने सच्ची घटना पर आधारित मूवी है। फिल्म में लारा दत्ता ने इंदिरा गांधी का रोल प्ले किया है। वहीं फिल्म में हुमा कुरैशी और वाणी कपूर भी अहम रोल में हैं। बता दें कि यह लॉकडाउन फेज में बनकर तैयार होने वाली है बॉलीवुड की पहली फिल्म थी।

पहले यह फिल्म अप्रैल में रिलीज होने वाली थी ।लेकिन कोविड के चलते इसकी रिलीज को रोक दिया गया था ।अब अमिताभ के फिल्म चेहरे भी इस कंपटीशन में शामिल हो गई है।

दोस्त की सलाह पर ठुकराया था थरूर ने सलमान का ऑफर, बोले- उसने कहा विदेश मंत्री बनना है तो ये रोल मत करो

एजेंसी। सलमान इन दिनों रूस में हैं और टाइगर सीरीज की तीसरी इंस्टॉलमेंट यानी टाइगर-3 की शूटिंग अपनी कोह्रस्टार कटरीना कैफ के साथ कर रहे हैं। सलमान के भतीजे निर्वान इस फिल्म में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर जुड़े हैं। यह फिल्म मनीष शर्मा डायरेक्ट कर रहे हैं ।

शशि थरूर ने ठुकराया सलमान का ऑफर

2018 के एक इंटरव्यू में कांग्रेस लीडर शशि थरूर ने खुलासा किया कि उन्हें सलमान खान की एक फिल्म में विदेश मंत्री का रोल ऑफर किया गया था, लेकिन उन्होंने ठुकरा दिया। सोशल मीडिया स्टार जेनिस सिकेरा से थरूर ने कहा सलमान खान अभिनीत फिल्म के निर्देशक की ओर से विदेश मंत्री के रोल का ऑफर आया।

जब मैंने यह बात अपने अच्छे दोस्त को बताई तब उसने मुझे सलाह दी कि अगर आप विदेश मंत्री बनना चाहते हैं, तो विदेश मंत्री का रोल न करें। मैंने सोचा और मैं

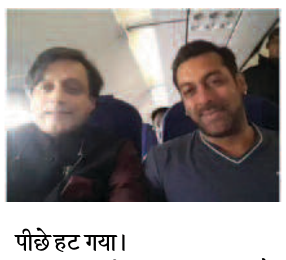

पीछे हट गया।

थरूर ने अपनी एक और लोकप्रिय अफवाह के बारे में भी बताया कि लोग कहते थे कि वह सलमान खान-स्टारर अंदाज अपना अपना में दिखाई दिए। इस पर वो हंसते हुए बोले कि वह सलमान ही थे क्योंकि उस वक्त मैं संयुक्त राष्ट्र (वठ) में कई वर्षों से काम कर रहा था।

सलमान के साथ शेयर की फ्लाइट की फोटो

डॉक्टर थरूर ने एक बार सलमान से फ्लाइट में मुलाकात हुई और अभिनेता के साथ एक सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट की। उन्होंने कैप्शन में लिखा झ्र जयपुर-अहमदाबाद फ्लाइट में @BeingSalmanKhan के साथ... साढ़े चार घंटे की देरी से उड़ान।'

सेंट पीटर्सबर्ग में फिल्माया गया कटरीना कैफ का कार चेस सीक्वेंस

एजेंसी। कोविड की तीसरी लहर की आशंकाओं के चलते बड़े बैनर यूरोपीय देशों में डेरा बसाए हुए हैं। इंग्लैंड में जहां अक्षय कुमार अपनी फिल्म को शूट कर रहें हैं, वहीं डायना पेंटी अपने एक प्रोजेक्ट के लिए बुडापेस्ट में हैं। कंगना ने हाल ही में वहां 'धाकड़' पूरी की थी। विकास बहल लंदन में 'गणपत' की सिल्वर सिटी रीक्रिएट करने को हैं, जबकि सलमान खान और कटरीना कैफ रशिया शेड्यूल पूरा कर अब टर्की में हैं।

वहां फिल्म की इस्तांबूल के दक्षिण में ताराबया में शूटिंग हो रही है। रानी मुखर्जी की फिल्म का भी नॉर्वे में सेट है। हालांकि उसे उत्तरी यूरोप के एश्टोनिया में रीक्रिएट किया गया है। रशिया में ही साउथ के सुपरस्टार अजित की भी एक गैर टाइटिल वाली फिल्म शूट होने जा रही है।

टर्की शेड्यूल पूरा कर ऑस्ट्रिया का रुख करेगी टाईगर 3' की टीम

ट्रेड सूत्रों ने बताया, 'टर्की शेड्यूल पूरा कर 'टाइगर 3' की टीम फिर ऑस्ट्रिया का रुख करेगी। वहीं शाहरुख और दीपिका स्पेन में 'पठान' का गाना तो शूट करेंगे ही।

8 महीने में 2 बड़ी सर्जरी के बाद घर लौटीं करण जौहर की मां हीरू, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर रिलीज हुआ 'राधे श्याम' का नया पोस्टर

एजेंसी। करण जौहर ने अपनी मां हीरू जौहर का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें हीरू जौहर व्हीलचेयर पर बैठी नजर आ रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए करण ने अपनी मां को सुपरहीरो कहा और उसकी वजह भी बताई। दरअसल पिछले 8 महीनों में हीरू की स्पाइनल फ्यूजन सर्जरी और उनके सीधे पैर के घुटने का रिप्लेसमेंट हुआ है। उन्होंने इन दोनों सर्जरी के दौरान अपनी जबरदस्त शक्ति और मजाकिया अंदाज को बनाए रखा। वो 79 साल के करीब हैं लेकिन जिंदगी के लिए उनकी उम्मीद एक मिलेनियल की तरह ही है। हीरू की सर्जरी के बारे में करण ने वीडियो के कैप्शन में पूरे बात लिखी है।

अरविन्द स्वामी के साथ रोमांस करती दिखीं कंगना

कंगना रनोट की फिल्म थलाईवी का नया गाना 'तेरी आँखों में' रिलीज हो गया है। इस गाने में जयललिता और एमजीआर की रोमांटिक कैमिस्ट्री को दिखाने की कोशिश की गई है। गाने को इरशाद कामिल ने लिखा है और जीवी प्रकाश ने इसे कंपोज किया है। अरमान मलिक और प्राजक्ता शुक्रे ने इसे आवाज दी है। ह्यथलाइवीह्ण 10 सितंबर, थिएटर में हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने वाली है। डायरेक्शन ए. एल. विजय ने किया है। गाने में 60 और 70 के दशक में दक्षिण भारतीय सिनेमा के गोल्डन एरा की

झलक दिखाई गई है।

राधे श्याम का जन्माष्टमी स्पेशल पोस्टर रिलीज

प्रभास और पूजा हेगड़े की फिल्म राधे श्याम का 'जन्माष्टमी स्पेशल' पोस्टर रिलीज किया गया। इस पोस्टर को खुद एक्टर प्रभास ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर में पूजा रॉयल ब्लू गाउन पहने दिख रही हैं। उनके पास मोर पंखों को सेट किया गया है ताकि वे किसी मोरनी की तरह लगें। वहीं प्रभास पियानो के पास खड़े हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा है कि राधे श्याम के खूबसूरत पोस्टर के साथ जन्माष्टमी को सेलिब्रेट करें। ह्यराधे श्यामह्ण फिल्म 1970 की एक पीरियड ड्रामा रोमांटिक फिल्म है। पोस्टर के मुताबिक फिल्म जनवरी की थिएटर्स में रिलीज होगी।

पहली बार ऑनस्क्रीन दिखेगी मां-बेटी की जोड़ी

कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' एक बार फिर से फैंस को हंसाने के लिए आ गया है। अब इस शो में नीतू कपूर अपनी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ शिरकत करने वाली हैं। इस बात की जानकारी खुद रिद्धिमा ने सोशल मीडिया के जरिए दी। कपिल के शो से कुछ फोटो शेयर करते हुए रिद्धिमा ने कैप्शन में लिखा, 'अपनी आत्मा को खुश करने के लिए थोड़ा वक्त निकालना चाहिए। कल मेरी जिंदगी की सबसे अमेजिंग (हंसी से फुल) शाम थी कपिल शर्मा शो में मां के नीतू कपूर के साथ'।

जब राजकुमार राव की 25 लड़कों ने की थी पिटाई, बोले थे-चेहरे पर मत मारना मुझे एक्टर बनना है

एजेंसी। एक्टर राजकुमार राव आज (मंगलवार) अपना 37वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उनके फैंस, फ्रेंड्स और फैमिली मेंबर्स पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दे रहे हैं। इस बीच उनसे जुड़े कई किस्से भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में राजकुमार राव ने अपने स्कूल टाइम का एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया है।

11वीं कक्षा में फैसला कर लिया था एक्टर बनना है

राजकुमार राव ने इंटरव्यू में यह भी खुलासा किया कि जब वे 11वीं कक्षा में पहुंचे थे, तब उन्होंने यह फैसला कर लिया था कि उन्हें आगे चल कर एक्टर बनना है। राजकुमार ने बताया कि 11वीं कक्षा में ही उन्हें एक लड़की से प्यार हो गया था। इस बारे में राजकुमार ने बताया, वो कोई आम लड़की नहीं थी, बल्कि शाहरुख खान की फिल्म 'कुछ कुछ होता है' की अंजलि की तरह थी।

वो लड़की अंजलि की तरह ही बास्केटबॉल खेलती थी।₹ राजकुमार पहले से ही शाहरुख खान के फैन थे और उन्हें अपनी अंजलि मिल गई थी। राजकुमार ने बताया, 'बदकिस्मती से अंजलि पहले ही अमन नाम के लड़के के साथ थी।'

राजकुमार राव ने पूरा किस्सा शेयर करते हुए कहा, ₹मैं गुड़गांव के ब्लू बेल्स स्कूल में पढ़ने जाता था। उस वक्त मैं यंग था। मैं उस समय से ही शाहरुख खान का बहुत बड़ा फैन हूं। इसलिए उनकी फिल्म 'कुछ कुछ होता है' मेरे दिमाग पर पूरी तरह से हावी थी। उसी स्कूल में मैंने एक लड़की को बास्केटबॉल खेलते देखा था। लड़की पूरी तरह से काजोल यानि अंजलि की तरह दिख रही थी। फिर किसी तरह हमने डेटिंग शुरू की, लेकिन उसका पहले से ही अमन नाम का एक बॉयफ्रेंड था।₹

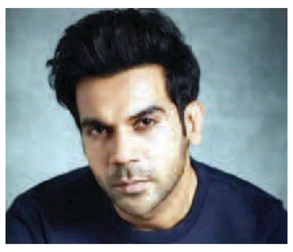

चेहरे पर मत मारो, मुझे एक्टर बनना है

राजकुमार राव ने आगे बताया, ₹जब उस लड़की के बॉयफ्रेंड को पता चला कि वह लड़की मुझे भी डेट कर रही है, तो वह लड़के लेकर मुझे मारने आया था। वह लॉ कॉलेज के 25 जाट लड़के लेकर मुझे मारने आया था। उस वक्त तक मैं एकदम सीधा सादा लड़का बन गया था। मैंने सोच लिया था कि अब और नहीं लड़ना है। क्योंकि मुझे एक्टर बनना था। 25 लड़के मुझे पीट रहे थे। सभी आपस में बात कर रहे थे बंदूक निकालो, बंदूक निकालो, गोली मारो। मैं एकदम चुपचाप बैठा हुआ था। मेरे साथ मेरे दो पंजाबी दोस्त थे। वह उन लोगों से कह रहे थे उसे मत मारो, अगर तुम चाहो तो हमे मार लो। मार खाने के दौरान मैं केवल एक ही चीज बोल रहा था। आप विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन यह है एक सच्ची कहानी है। तब मैं उन लड़को से यह कह रहा था कि मेरे चेहरे पर मत मारो, मुझे एक्टर बनना है। तब मेरी बात सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगे थे।₹

राजकुमार ने 2010 में किया था डेब्यू

राजकुमार राव ने साल 2010 में 'लव सेक्स और धोखा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद राजकुमार ने 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' (पार्ट 2), 'शाहिद', 'सिटीलाइट्स', 'अलीगढ़', 'ट्रैप्ड', 'न्यूटन' और 'ओमेर्ता' जैसी कई शानदार फल्में की हैं। राजकुमार इस साल की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा के साथ 'द व्हाइट टाइगर' और जान्हवी कपूर के साथ 'रूही' में नजर आए थे।

बिग बॉस 14 में जैस्मिन भसीन के हाथ से लगी थी राखी सावंत की नाक में चोट, अब सर्जरी करवाकर बोलीं- 'दर्द से मुक्त हूं'

एजेंसी। ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने बिग बॉस के पिछले सीजन में खूब मनोरंजन किया था जिसमें उनकी नाक में जोरदार चोट भी आ गई थी। ये चोट एक्ट्रेस को एक टास्क के दौरान लगी थी जिसमें जैस्मिन भसीन ने उनके चेहरे पर भारी मुकुट रख दिया था। चोट लगने के बाद राखी खूब रोई थीं, जिसके कई महीनों बाद अब एक्ट्रेस ने अपनी नाक की सर्जरी करवाई है।

राखी सावंत ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने बिग बॉस 14 में हुआ एक्सीडेंट दिखाया है। इसी के साथ सर्जरी का वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, मेरी नाक बिग बॉस 14 में हर्ट

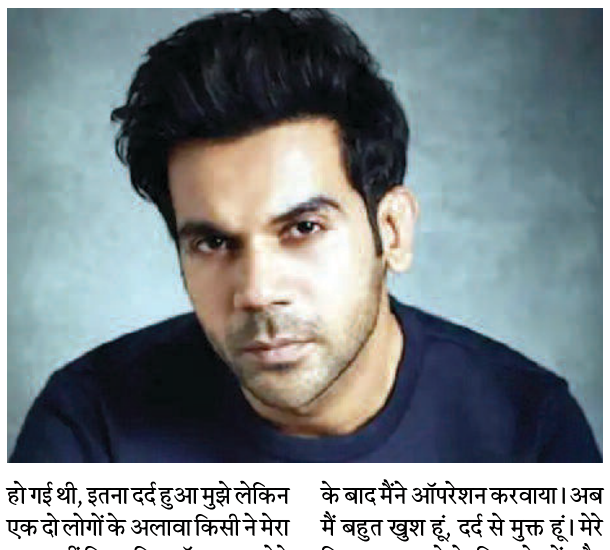

हो गई थी, इतना दर्द हुआ मुझे लेकिन एक दो लोगों के अलावा किसी ने मेरा साथ नहीं दिया। बिग बॉस खत्म होने के बाद मैंने ऑपरेशन करवाया। अब मैं बहुत खुश हूं, दर्द से मुक्त हूं। मेरे लिए दुआ करने के लिए दोस्तों और फैंस को शुक्रिया।

राखी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में बिग बॉस 14 के सभी कंटेस्टेंट एक टास्क करते दिख रहे हैं जिसमें जैस्मिन ने कागज से बना बत्तख का मुकुट राखी के सिर पर पहनाया था। घरवालों ने इस पर जैस्मिन का साथ देते हुए कहा था कि राखी अटेंशन के लिए चोट लगने का नाटक कर रही हैं।

बिग बॉस 14 में जरदस्त एंटरटेनमेंट करने के बाद बिग बॉस ओटीटी में भी राखी का जलवा देखने मिला है। एक्ट्रेस ने शो शुरू होने के बाद घर के बाहर धरना प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें दोबारा शो में बुलाया गया है। राखी शो में जूली बनकर गई थीं।

आईपीएल के अगले सत्र में दो नई टीमों से ही बीसीसीआई को मिलेंगे 5 हजार करोड़!

आठ की जगह दस टीमें उतरेंगी, 60 की जगह 74 मैच होंगे

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को आईपीएल के अगले सत्र में अच्छी खासी कमाई की उम्मीद है। इसका कारण यह है कि आईपीएल 2022 में आठ की जगह दस टीमें उतरेंगी। ऐसे में उसे दो नई टीमों से ही 5 हजार करोड़ मिलने की उम्मीद है। बीसीसीआई ने एक टीम का आधारमूल्य ही करीब 2 हजार करोड़ रुपये रखा है। ऐसे में उसे दो टीमों से करीब 5 हजार करोड़ रुपये मिल सकते हैं। दो टीमें बढ़ने के कारण अगले सत्र से 60 की जगह 74 मैच खेले जाएंगे। इसके लिए आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की बैठक के दौरान बोली प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। अब तक मिली जानकारी के अनुसार कोई भी कंपनी 75 करोड़ रुपये देकर बोली दस्तावेज खरीद सकती है। पहले 2 नई टीमों का आधार मूल्य 1700 करोड़ रुपये रखने पर विचार किया जा रहा था पर इसके बाद आधार

मूल्य 2000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

जानकारों के अनुसार यदि बोली प्रक्रिया योजना के अनुसार आगे बढ़ी तो बीसीसीआई को कम से कम 5000 करोड़ रुपये का लाभ होगा, क्योंकि कई कंपनियां बोली प्रक्रिया में रुचि दिखा रही हैं। ऐसे में बोर्ड को कम से कम 5000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। अगले सत्र में आईपीएल में 74 मैच होंगे और यह सभी के लिए लाभ की बात रहेगी। गौरतलब है कि सालाना 3000 करोड़ रुपये या इससे अधिक का टर्न ओवर रखने वाली कंपनियों को ही बोली प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। यही नहीं बीसीसीआई कंपनियों के समूह को भी टीम खरीदने के लिए अनुमति देने की योजना बना रहा है. इससे बोली प्रक्रिया और अधिक रोचक बन जाएगी। सूत्र ने कहा, 'मुझे लगता है कि तीन से अधिक कंपनियों को समूह बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, लेकिन यदि तीन कंपनियां साथ में आकर एक टीम के लिए बोली लगाना चाहती हैं तो ऐसा करने के लिए उनका स्वागत है.' नई टीमों के लिए जो आधार स्थल रखे गये हैं उनमें अहमदाबाद, लखनऊ और पुणे भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वर्ण विजेता सुमित अंतिल को बधाई दी

उनका यह प्रदर्शन युवाओं को प्रेरित करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने सुमित से फोन पर बात की और कहा कि उनका ऐतिहासिक प्रदर्शन देश के युवाओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। सुमित ने सोमवार को पुरूषों की एफ64 स्पर्धा में विश्व रिकार्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता था। हरियाणा के सोनीपत के सुमित ने अपने पांचवें प्रयास में 68.55 मीटर दूर तक भाला फेंककर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है।

प्रधानमंत्री ने अपने एक ट्वीट में कहा, 'हमारे खिलाड़ियों का पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन जारी है। देश को सुमित अंतिल के रिकार्ड प्रदर्शन पर गर्व है। स्वर्ण पदक जीतने पर उन्हें बधाई और भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।' प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ने अंतिल से कहा, 'आपने अपने खेल से देश का नाम रौशन किया है।' उन्होंने अंतिल की खेल भावना की भी सराहना की और कहा कि देश के युवा उनसे प्रेरित होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतिल ने अपने शानदार प्रदर्शन से अपने पूरे परिवार को भी गौरवान्वित किया है। पांच बार विश्व रिकॉर्ड तोड़कर तोक्यो पैरालम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने के बावजूद भारतीय पैरा भालाफेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा कि यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था और वह इससे बेहतर करके दिखायेंगे। उन्होंने कहा,ह्यह्य यह मेरा पहला पैरालम्पिक था और प्रतिस्पर्धा कड़ी होने के कारण मैं थोड़ा नर्वस था।' उन्होंने कहा, 'मैं सोच रहा था कि 70 मीटर से अधिक का थ्रो जायेगा। शायद मैं 75 मीटर भी फेंक सकता था। यह मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था पर विश्व रिकॉर्ड तोड़कर मैं खुश हूं।'

खबर एक नजर

एमपीएल से भारतीय खिलाड़ियों को मिलेंगे अवसर

चेन्नई, एजेंसी। मोबाइल प्रीमियर लीग एमपीएल (एमपीएल) शतरंज टूर अगले साल शुरू होगा। एमपीएल से भारतीय खिलाड़ियों के लिये वैश्विक मेल्टवाटर चैम्पियंस शतरंज टूर में भाग लेने के लिये क्वालीफाई करने का अवसर रहेगा। विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन द्वारा द्वारा शुरू किया गया प्ले मैग्नस ग्रुप (पीएमजी) एमपीएल के साथ भागीदारी में नये एमपीएल भारतीय शतरंज टूर का आयोजन करेगा। इस टूर में चार ऑनलाइन टूर्नामेंट होंगे जिसके बाद फाइनल होगा और विजेता को एमपीएल भारतीय शतरंज टूर चैम्पियन 2022 खिताब से सम्मानित किया जायेगा। भारत एकमात्र देश है जिसकी क्षेत्रीय प्रतियोगिता की जायेगी जिससे खिलाड़ियों को एलीट चैम्पियंस टूर में प्रवेश का मौका मिल सकता है जिसकी कुल पुरस्कार राशि इस साल 16 लाख डॉलर की है।

32 महीने से टेस्ट में शतक नहीं लगा पाये हैं पुजारा

लंदन, एजेंसी। भारतीय टीम के लिए इंग्लैंड दौरा बल्लेबाजी के लिहाज से अच्छा नहीं रहा है। इस दौरे में स्टार बल्लेबाज भी नाकाम रहे हैं। चेतेश्वर पुजारा और उपकप्तान अजिंक्य रहाणे की खराब फॉर्म से टीम को तीसरे टेस्ट में करारी हार का भी सामना करना पड़ा है। पिछले काफी समय से दोनो ही बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में नाकाम रहे हैं। पुजारा 32 महीने से टेस्ट क्रिकेट में शतक नहीं लगा सके है। वहीं रहाणे 70 टेस्ट पारियों में केवल एक शतक लगा पाये हैं। रहाणे ने मेलबर्न टेस्ट में 112 रनों की पारी खेली थी। रहाणे ने 14 टेस्ट में एक शतक और दो अर्धशतक की बदौलत 630 रन बनाए हैं। पुजारा पिछले 14 टेस्ट में कुल मिलाकर 689 रन बना पाये हैं। इस दौरान उन्होंने 6 अर्धशतक लगाये हैं। पुजारा का टेस्ट औसत भी गिरकर 40 पर आ चुका है। ऐसें में उनकी जगह आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को मिल सकती है। रहाणे की जगह उप-कप्तानी लेकर रोहित शर्मा को मिल सकती है जो जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। रोहित ने जनवरी 2020 के बाद से 10 टेस्ट में 45.17 की औसत से सबसे ज्यादा 768 रन बनाये हैं।

मुंबई क्रिकेट के अनुभवी कोच वासु परांजपे नहीं रहे

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट के अनुभवी कोच वासु परांजपे का निधन हो गया है। परांजपे 82 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी ललिता, दो बेटियां और बेटा जतिन है। मुंबई क्रिकेट संघ के सचिव संजय नाईक और संयुक्त सचिव शाहआलम शेख ने कहा कि मुंबई क्रिकेट संघ परांजपे के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करता है। एमसीए की शीर्ष परिषद के सदस्यों, सदस्य क्लबों और क्रिकेट जगत की ओर से हम उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने परांजपे के निधन पर शोक जताया है। गावस्कर ने कहा कि मुंबई क्रिकेट के साथ परांजपे छह दशक तक अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रहे हैं। वह कोच, चयनकर्ता, मेंटर और सलाहकार भी रहे हैं। मुंबई क्रिकेट को समझने में उन्हें महारथ हासिल थी। परांजपे ने ही गावस्कर को ह्यसनीह्न उपनाम दिया था। उन्होंने 29 प्रथम श्रेणी मैचों में 785 रन बनाए लेकिन इन आंकड़ों से उनकी महानता बयां नहीं होती। खेल का उनका ज्ञान और खिलाड़ियों की मानसिकता पर काम करने की खूबी उन्हें खास बनाती थी।

वह हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी और गुजराती धाराप्रवाह बोलते थे। वह दादर यूनियन टीम के कप्तान रहे जहां से सुनील गावस्कर और दिलीप वेंगसरकर जैसे बल्लेबाज निकले। 1987 विश्व कप से पहले मुंबई में भारतीय टीम की तैयारी के लिए लगाए गए शिविर की देखरेख की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई थी।

टोक्यो पैरालंपिक खेलों में जापान के शिनया वाडा पुरुषों की 1500 मीटर रेस में दूसरे स्थान पर रहे।

ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले अंतिम टेस्ट के बाद संन्यास लेंगे एंडरसन: हार्मिसन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन ने कहा है कि तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भारत के खिलाफ जारी इस टेस्ट सीरीज के बाद खेल को अलविदा कहेंगे। 39 साल के एंडरसन अब भी अपनी शानदार गेंदबाजी के कारण मेजबान टीम के मुख्य गेंदबाज हैं। अपनी स्विंग गेंदों से वह विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों को भी परेशान करने की क्षमता रखते हैं। एंडरसन ने अब तक भारत के खिलाफ जारी इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन टेस्ट में 13 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली सहित सभी शीर्ष बल्लेबाज

उनकी गेंदों के सामान संघर्ष करते नजर आये हैं। भारत ओर इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। यह एंडरसन का घरेलू मैदान भी है। ऐसे में इस गेंदबाज के लिए घरेलू दर्शकों के सामने संन्यास लेना एक अच्छा अनुभव रहेगा। एंडरसन ने इससे पहले कहा था कि वह एशेज सीरीज में खेलेंगे , जिससे प्रशंसकों में उनके संन्यास को लेकर संशय बना हुआ है।

वहीं इसपर हार्मिसन ने कहा, 'मुझे लग रहा है एंडरसन ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट के बाद रिटायर हो जाएंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि एशेज सीरीज में वह खेलेंगे। मुझे लगता है कि वह बस इसे देख सकते हैं और स्टेडियम जा सकते हैं। अगर मैं ओवल में जाता हूं और अच्छी गेंदबाजी करता हूं और अंत में ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में खेलने का मौका मिलता है और उसमें भी विराट कोहली जैसे बल्लेबाज के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए संन्यास लेने का अवसर मिलता है तो इससे अच्छा और क्या हो सकता है।'

टोक्यो पैरालंपिक: भारत के राकेश व्यक्तिगत कंपाउंड तीरंदाजी के क्वार्टर फाइनल में हारे

टोक्यो, एजेंसी। भारतीय तीरंदाज राकेश कुमार टोक्यो पैरालंपिक खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिता में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। राकेश को पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में चीन के अल झिनलियांग ने 143-145 से हराया। राकेश पहले सेट में ही 29-30 से पीछे थे। इसके बाद राकेश ने मुकाबले में वापसी के कई प्रयास किये पर चीनी तीरंदाज ने उनपर पानी फेर दिया। राकेश ने पहले, तीसरे और पांचवें सेट में 29 का स्कोर बनाया हालांकि दूसरे और चौथे सेट में वह 28 का स्कोर ही बना पाये जिसका उन्हें नुकसान भी उठाना पड़ा। वहीं दूसरी ओर चीनी खिलाड़ी ने पहले सेट में अच्छी शुरूआत करने के बाद अपनी लिय बनाये रखी। चीनी खिलाड़ी झिनलियांग ने तीसरे सेट में 28 अंक हासिल किये। राकेश ने इससे पहले एलिमिनेशन दौर में स्लोवाकिया के मारियान मारेसाक के खिलाफ पहले दो सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 140-137 से जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाया।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड सीरीज को देख सकेंगे 25 फीसदी दर्शक

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली क्रिकेट सीरीज के दौरान 25 फीसदी दर्शकों को भी स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति रहेगी। पाक के नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर (एनसीओसी) ने इस श्रृंखला के दौरान मैदान पर 25 फीसदी दर्शकों की मौजूदगी को मंजूरी दे दी है। एनसीओसी की इस घोषणा के अनुसार लगभग 4500 दर्शकों को एकदिवसीय मैच देखने की अनुमति दी जाएगी, जबकि लगभग

5500 दर्शकों को टी-20 श्रृंखला के लिए मैदान में बैठने दिया जा सकता है, हालांकि मैदान में केवल उन्हें ही प्रवेश दिया जाएगा जिन्हें कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगे होंगे और जिनके पास कोरोना टीकाकरण का प्रमाण पत्र होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मुख्य कार्यकारी वसीम खान ने एक बयान में कहा कि दर्शक किसी भी खेल आयोजन का मुख्य सार होते हैं, क्योंकि वे खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्टता, प्रदर्शन और आनंदमय माहौल बनाते हैं। हम पीसीबी को आठ मैचों के लिए 25 फीसदी दर्शकों को आमंत्रित करने की अनुमति दिये जाने से उत्साहित हैं। मुझे भरोसा है कि एनसीओसी के फैसले के बाद बिना टीकाकरण वाले क्रिकेट फॉलोअर अपनी टीकाकरण प्रक्रिया में तेजी लाएंगे, जिससे वे 2003 के बाद से दोनों टीमों के बीच घरेलू मैदान पर पहली श्रृंखला देख सकें।

टोक्यो पैरालंपिक : भारत की भाविना और सोनल युगल मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में हारी

टोक्यो, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी भावना पटेल और सोनल पटेल टोक्यो पैरालिंपिक खेलों के महिला युगल (कक्षा 4-5) के मुकाबले में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। भावना और सोनल को चीन की झोउ यिंग और झांग बियान की जोड़ी ने 0-3 से हराया। भाविना और सोनल की जोड़ी युगल वर्ग क्वार्टर फाइनल मैच में 4-5 और 0-2 से हार गई। यिंग ने भी क्वार्टर फाइनल के दूसरे दौर में भावना को तीन सीधे सेटों में हराया इससे भारतीय जोड़ी को कुल मिलाकर 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में चीनी जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहला गेम 11-4 से जीता। इस मैच में यिंग और बियान ने पूरे समय अपना दबदबा बनाये रखा और भारतीय जोड़ी को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। दूसरे दौर में भाविना और सोनल की कुछ अंक हासिल किए पर चीनी पक्ष ने 11-4 से आसानी से जीत दर्ज कर ली। यिंग और बियान ने तीसरे दौर में 11-2 से जीत के साथ 3-0 से मैच अपने नाम किया।

घरेलू हॉकी सत्र अक्टूबर से शुरू होगा: हॉकी इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के कारण अब तक रुका हुआ घरेलू हॉकी सत्र अब अक्टूबर में पहली सब-जूनियर पुरूष राष्ट्रीय अकादमी चैम्पियनशिप से फिर शुरू होगा। हॉकी इंडिया ने घरेलू सत्र में सभी मेजबान राज्य सदस्य इकाई और भाग लेने वाली टीमों को संक्रमण से बचाव के लिए पर्याप्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। खेलों के दौरान गृह मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकार द्वारा बनाये गये सभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। घरेलू प्रतियोगिताओं की मेजबानी में हॉकी इंडिया के सभी दिशानिर्देशों का पालन करने को भी कहा है। पहली बार खेली जाने वाली सब जूनियर पुरूष राष्ट्रीय अकादमी चैम्पियनशिप चार से 13 अक्टूबर तक आयोजित की जायेगी। इसके बाद पहली हॉकी इंडिया जूनियर पुरूष अकादमी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप भोपाल में 18 से 27 अक्टूबर तक खेल जायेगी।

शुरूआती हॉकी इंडिया जूनियर महिला अंतरविभागीयराष्ट्रीयचैम्पियनशिप यहां अक्टूबर में होगी। अक्टूबर में ही झारखंड के सिमडेगा में 11वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जबकि 11वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरूष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप भी इसी महीने में तेलगांना में खेली जायेगी। सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप भी अक्टूबर के महीने में अस्थायी रूप से उत्तर प्रदेश के झांसी में आयोजित होने वाली है। हालांकि हॉकी इंडिया को अभी अंतिम तीन टूर्नामेंट की सही तिथियों की पुष्टि करनी बाकी है।

ओवल में हो सकती है अश्विन ओर शार्दुल की वापसी

लंदन, एजेंसी। टीम इंडिया मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दो सितंबर से ओवल में शुरू हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज इशांत शर्मा की जगह रविचंद्रन अश्विन और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह शार्दुल ठाकुर को शामिल कर सकती है। जडेजा को तीसरे टेस्ट मैच के दौरान घुटने में चोट लगी थी और ऐसे में वह शायद ही अंतिम दो टेस्ट मैच खेल पायें। वहीं इशांत इस सीरीज में अभी तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। कप्तान विराट कोहली ने भी कहा है कि टीम में बदलाव हो सकते हैं क्योंकि कुछ खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। शार्दुल और अश्विन के टीम में शामिल होने से बल्लेबाजी में भी लाभ होगा।

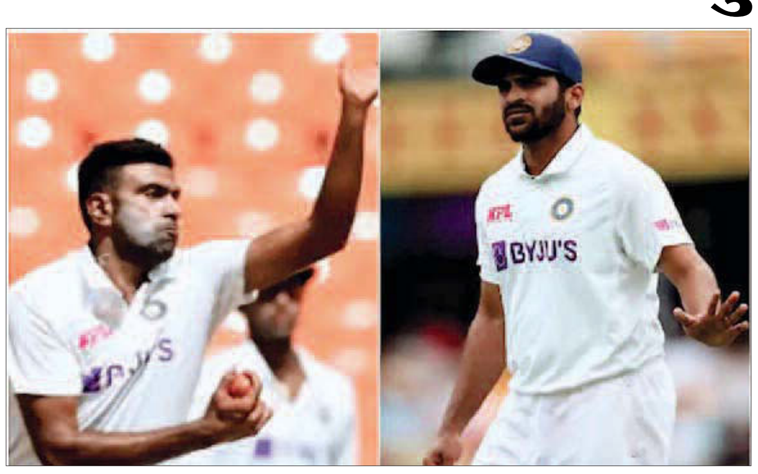

अश्विन को इंग्लैंड दौरे पर लगातार तीन टेस्ट मैचों में बाहर बैठना पड़ा है। इस गेंदबाज ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में तीन विकेट लिए थे। वहीं काउंटी क्रिकेट में सरे की ओर से खेलते हुए 6 विकेट लिए थे। अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 5 शतक भी लगाये हैं और वह निचले क्रम में रन भी बना सकते हैं। शार्दुल ने पहले टेस्ट मैच में तीन विकेट लिए थे। इसके साथ ही वह बल्लेबाजी भी कर लेते हैं।

चौथे टेस्ट में भारत उतार सकता है ये खिलाड़ी : रोहित शर्मा, केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

कोच लैंगर पर भरोसा रखें : पोंटिंग

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कोच जस्टिन लैंगर के बचाव में पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग सामने आये हैं। पोंटिंग ने कहा है कि अगर आप कुछ समय पहले की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की टीम टेस्ट और टी20 फॉर्मेट में नंबर वन टीम थी। हमें पता है कि टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज का दौरा हमारे लिए मुश्किल था पर केवल उस दौरे को लेकर लैंगर पर सवाल उठाना ठीक नहीं है।

पोंटिंग ने आगे कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान और कुछ सीनियर खिलाड़ियों को कोच के साथ सीधी बातचीत करनी चाहिए जिससे चीजे बेहतर हो सके। लैंगर भी किसी भी सलाह को सकारात्मक मानते हैं। वह यह जानना चाहता है कि वह कैसे बेहतर हो सकता है और वह क्या बेहतर कर सकता है। मुझे पता है कि पिछले कुछ हफ्तों में बहुत सारी नकारात्मकता रही है, मैंने वास्तव में कोच के लिए महसूस किया, मैंने उन्हें कई बार फोन भी किया है। पोंटिंग ने साथ ही कहा कि वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के दौरे से वापिस आने के बाद वह निराशा में अपने होटल के कमरे में बंद तक हो गये थे। तब मैं और उसके कुछ नजदीकी दोस्त उससे मिलने के लिए होटल पहुंचे। लैंगर ऑस्ट्रेलियाई टीम को आगे लेकर जा सकते हैं। हमें इस समय उन पर थोड़ा भरोसा करना होगा।